MPHIN/2021/83938

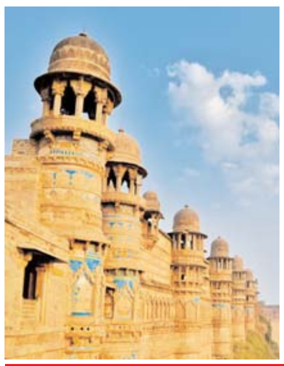

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 342 | ग्वालियर, 7 अक्टुबर शनिवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले सीएम अशोक गहलोत ने 3 नए जिलों का किया ऐलान

जयपुर। इस साल के लास्ट में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. चुनाव आयोग जल्द ही विधानसभा इलेक्शन की तारीख की घोषणा कर सकता है. इससे पहले सूबे के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़ा दांव चला है. उन्होंने शुक्रवार को राज्य में तीन नए जिलों का ऐलान किया है. सीएम अशोक गहलोत ने अपने कार्यकाल में दूसरी बार नए जनपद बनाने की घोषणा की है. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़ा फैसला लिया है. उन्होंने तीन नए जनपदों की घोषणा की है. नए जिलों में सुजानगढ़, मालपुरा और कुचामन बनाए गए हैं. सीएम ने कहा कि भविष्य में और भी नए जिले बनेंगे. सीएम गहलोत ने कहा कि हम रामलुभाया कमेटी को तीन नए जिले बनाने का प्रस्ताव भेज रहे हैं. हम बाकी क्षेत्रों से आई हुई मांगों के बारे में भी परीक्षण करवाएंगे. अब राजस्थान में 53 जिले होंगे. इसे लेकर सीएम अशोक गहलोत ने एक्स (पहले ट्विटर) पर ट्वीट कर कहा कि जनता की मांग एवं उच्च स्तरीय समिति की अनुशंसा के अनुसार राजस्थान में तीन नए जिले और बनाए जाएंगे. पहला- मालपुरा, दूसरा- सुजानगढ़ और तीसरा कुचामन सिटी. अब 53 जिलों का राजस्थान होगा. आगे भी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के मुताबिक सीमांकन आदि परेशानियों को दूर किया जाता रहेगा. राजस्थान में पहले भी 19 नए जिले बनाए गए थे. यह फैसला गहलोत सरकार में ही लिया गया था. डीग, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, कोटपूतली (बहरोड़), बालोतरा, ब्यावर, अनूपगढ़, डीडवाना (कुचामन), खैरथल, केकड़ी, शाहपुरा, फलौदी, नीमकाथाना, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, सलूंबर, सांचोर जनपद बनाए गए थे.

चुनावी फ्रीबीज पर केंद्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान को नोटिस

नई दिल्ली। चुनावों में मुफ्त की रेवड़ियों बांटने पर देश की सर्वोच्च अदालत ने रोक लगाने से इनकार कर दिया है. साथ ही केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, मध्य प्रदेश और राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते में जवाब मांगा है. कोर्ट ने बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया है. सुप्रीम कोर्ट ने नई जनहित याचिका को पहले से चल रही अन्य याचिकाओं को एक साथ जोड़कर सभी मामलों की सुनवाई एकसाथ करने की बात कही है. जनवरी 2022 में बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय फ्रीबीज के खिलाफ एक जनहित याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। अपनी याचिका में उपाध्याय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों के वोटर्स से फ्रीबीज या मुफ्त उपहार के वादों पर रोक लगाने की अपील की है. साथ ही याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि चुनाव से पहले राजनीतिक दल मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए इस तरह के वादे करते हैं और मुफ्त सुविधाएं देकर करदाताओं के पैसे को बर्बाद कर रहे हैं. अपनी याचिका में याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि राज्य पहले से ही कर्ज के तले दबे हुए हैं और मुफ्त चीजें नहीं बांटी जानी चाहिए. केंद्र सरकार ने अश्विनी उपाध्याय की याचिका को सही ठहराते हुए सुप्रीम कोर्ट से फ्रीबीज पर स्थिति स्पष्ट करने की अपील की. केंद्र सरकार की ओर से कहा गया है कि अगर फ्रीबीज का बंटना जारी रहा तो ये भविष्य में आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है. इसलिए सुप्रीम कोर्ट फ्रीबिज की परिभाषा तय कर दे. बता दें कि मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत पांच राज्यों में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं. राजस्थान में कांग्रेस तो वहीं मध्य प्रदेश में बीजेपी की सरकार है. गौरतलब है कि देश में फ्रीबीज या रेवड़ी कल्चर लंबे समय से चली आ रही है. पचास की दशक से ही राजनीतिक पार्टियां रेवड़ी कल्चर के सहारे सत्ता पर काबिज होती रही है. ऐसे में इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है.

नीतीश-तेजस्वी अति पिछड़े, दलित को मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री बनाएं : प्रशांत किशोर

सीतामढ़ी। चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि लालू प्रसाद और नीतीश कुमार पिछले 32 वर्षों से बिहार में शासन कर रहे हैं। ये जातिगत जनगणना के बाद जितनी आबादी उतना हक की बात कर रहे हैं। इन्हें बताना चाहिए कि इन्होंने इतने वर्षों में उनके लिए क्या किया। ये लोग अति पिछड़े और दलित वर्ग से आने वालों को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री बनाएं। अपनी जन सुराज यात्रा के क्रम में सीतामढ़ी पहुंचे प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को कहा कि जातिगत जो सर्वे आया है, उसका कोई महत्व नहीं है।

पीएम मोदी का छत्तीसगढ़ और तेलंगाना दौरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दो चुनावी राज्यों छत्तीसगढ़ और तेलंगाना का दौरा करेंगे. इस दौरा वह दोनों राज्यों में 34 हजार करोड़ से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे. अपने इस दौरे पर पीएम मोदी छत्तीसगढ़ के जगदलपुर से राज्य को 26,000 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे. वहीं तेलंगाना के निजामाबाद से आठ हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने का प्रोग्राम है. इन विकास परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के नगरनार में एनएमडीसी का स्टील प्लांट भी शामिल है. वहीं तेलंगाना को एनटीपीसी के तेलंगाना सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के 800 मेगावाट के बिजली उत्पादन इकाई के पहले चरण का भी प्रधानमंत्री मंगलवार को उद्घाटन करेंगे. इसके साथ ही मनोहराबाद और सिद्दीपेट के बीच नई रेल लाइन का उद्घाटन और धर्माबाद-मनोहराबाद एवं महबूबनगर-कुर्नूल के बीच रेल लाइन विद्युतीकरण की भी राष्ट्र को सौगात देंगे. पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जगदलपुर और दंतेवाड़ा के बीच दोहरीकरण रेल लाइन और अंतागढ़ व तारोकी के बीच नई रेल लाइन का भी आज उद्घाटन करेंगे. वहीं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बोरीडांड-सूरजपुर रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना और जगदलपुर स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे. इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी तारोकी-रायपुर डेमू ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाएंगे. इन रेल परियोजनाओं से राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार होगा. बेहतर रेल बुनियादी ढांचे और नई ट्रेन सेवा से स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा. जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास में मदद मिलेगी. प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा खंड तक एक सड़क उन्नयन परियोजना को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे. नई सड़क से सड़क कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को फायदा होगा. छत्तीसगढ़ के बाद पीएम मोदी तेलंगाना के निज़ामाबाद पहुंचेंगे, जहां वह बिजली, रेल और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लगभग 8000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे. इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में बेहतर ऊर्जा दक्षता के साथ बिजली उत्पादन बढ़ाने की दृष्टि से, एनटीपीसी की तेलंगाना सुपर थर्मल पावर परियोजना के पहले चरण की 800 मेगावाट इकाई को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे. यह तेलंगाना को कम लागत वाली बिजली प्रदान करेगा और राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा. यह देश में सबसे अधिक पर्यावरण अनुकूल बिजली स्टेशनों में से एक होगा. इसके साथ ही तेलंगाना के रेल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की भी कोशिश है. पीएम मोदी मनोहराबाद और सिद्दीपेट को जोड़ने वाली नई रेलवे लाइन समेत रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे. जिसमें धरमाबाद-मनोहराबाद और महबूबनगर-कुरनूल के बीच विद्युतीकरण परियोजना. 76 किमी लंबी मनोहराबाद-सिद्दीपेट रेल लाइन क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी. इसके साथ ही धरमाबाद-मनोहराबाद और महबूबनगर-कुरनूल के बीच विद्युतीकरण परियोजना से ट्रेनों की औसत गति में सुधार करने में मदद मिलेगी.

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, उत्तर प्रदेश के तीन स्टेशनों के बदले नाम

नई दिल्ली। देश में शहरों और रेलवे स्टेशनों के नाम बदलने का सिलसिला थम नहीं रहा है. अब एक बार फिर रेलवे बोर्ड ने उत्तर प्रदेश के तीन रेलवे स्टेशनों के नाम बदल दिए हैं. उत्तर रेलवे ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है. अधिसूचना के मुताबिक, प्रतापगढ़ स्टेशन अब मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन कर दिया गया है. इसी तरह अंतू को मां चंद्रिका देवी धाम अंतू और बिश्नाथगंज को शनिदेव बिश्नाथगंज के नाम से जाना जाएगा. आपको बता दें कि प्रतापगढ़ में तीन प्रमुख धार्मिक स्थल हैं, जिसके कारण रेल मंत्रालय ने ये बड़ा फैसला लिया है. इस बड़े फैसले के बाद ये बात भी सामने आ रही है. रेलवे बोर्ड और भी स्टेशनों के नाम बदल सकता है. माना जा रहा है कि रेलवे स्टेशन का नाम उस शहर के हिसाब से बदला जाएगा जहां सबसे बड़ा धार्मिक स्थल स्थित होगा. इसी साल झांसी रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी रेलवे स्टेशन कर दिया गया.

मोदी कार्यकाल में उत्तर प्रदेश के कई रेलवे स्टेशनों के नाम बदले गए हैं. मुगलसराय से पं. दीन दयाल उपाध्याय रेलवे जंक्शन, मंडुआडीह रेलवे स्टेशन से बनारस रेलवे स्टेशन, रॉबर्टगंज से सोनभद्र रेलवे स्टेशन, इलाहाबाद से प्रयागराज, फैजाबाद से अयोध्या, पनकी स्टेशन से पनकी घाम स्टेशन किया गया था. इसके अलावा कई शहरों के नाम में भी बदलाव किये गये. स्टेशनों और शहरों के नाम में इस बदलाव को लेकर विपक्ष ने खूब कटाक्ष किया था. अब देखना यह होगा कि आने वाले दिनों में कितने स्टेशनों के नाम और शहरों के नाम बदलेंगे.

यूपी के प्रयागराज में गंगा में डूबने से पांच की मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के शिवकुटी थाना क्षेत्र स्थित गंगा में शुक्रवार को पांच किशोरों की डूबने से मौत हो गई। शिवकुटी थाना के प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार को शिवकुटी इलाके के मेवराबाद कछार में गंगा नहाने आए पांच किशोरों में से एक डूबने लगा। उसे बचाने के चक्कर में चार लोग डूब गए। डूबने की सूचना पर गोताखोर पहुंचे और उन्हें खोजा तब तक वह पांचों मृत हो गए थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जेल में बंद नर्गिस मोहम्मदी को मिला नोबेल शांति पुरस्कार!

नई दिल्ली। नर्गिस मोहम्मदी वो पत्रकार और एक्टिविस्ट हैं, जिन्होंने ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ बड़ी जंग लड़ी है. आज उन्हें उनके इस महान कार्य की वजह से नोबेल पीस प्राइज से सम्मानित किया गया है. बता दें कि नर्गिस ने करीब-करीब अपनी पूरी जिंदगी दूसरों को हक दिलवाने की लड़ाई में काट दी है. उन्हें सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए 10 से ज्यादा बार गिरफ्तार किया गया. न सिर्फ इतना, बल्कि 31 साल जेल में सजा काटने के साथ-साथ, उन्हें 154 कोड़े खाने की सजा दी गई थी। नर्गिस मोहम्मदी अभी भी कैद में हैं. वो कई दफा कैदियों की आवाज बनीं हैं. उन्होंने वहां कैदियों के अधिकारों की वकालत करते हुए, मौत की सजा खत्म करने को कहा है. उन्होंने एक किताब भी लिखी है, जो महिलाओं की आजादी और उनके हक के लिए आवाज उठाती है. इस किताब का नाम व्हाइट टॉर्चर है, जिसे दुष्प्रचार करार देते हुए ईरानी पुलिस ने उन्हें कई बार पकड़ा है. वहीं नर्गिस मोहम्मदी को नोबेल पीस प्राइज दे रही नोबेल कमेटी का मानना है कि, नर्गिस एक निडर पत्रकार और एक्टिविस्ट हैं, जो बेखौफ ईरानी महिलाओं के लिए आवाज उठाती आई हैं. बता दें कि

इससे पूर्व साल 2022 में भी उन्हें रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के साहस पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है. उन्होंने फिजिक्स से पढ़ाई की, फिर बतौर इंजीनियर अपना करियार चुना. इसके बाद उन्होंने 1990 के दशक में महिलाओं के अधिकारों और मानवअधिकारों के लिए अखबारों में लिखना शुरू किया. उनके यही काम ईरानी सरकार की आंख में चुभने लगे, फिर साल 2011 में उन्हें पहली बार गिरफ्तार कर लिया गया. हालांकि इससे उनके काम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, वो न तो रूकी और न डरी, बल्कि और मजबूती से आगे बढ़ती रहीं. बावजूद इसके ईरानी सरकार ने उन्हें रोकने के कई हतकंडे अपनाएं और आखिरकार कैदियों के परिवारों की मदद करने का आरोप लगाते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया. हालांकि कुछ साल बाद उन्हें फिर जेल मिली, मगर फिर 2015 में वो गिरफ्तार हो गई. ऐसे करते-करते उन्हें करीब 11 बार गिरफ्तार किया गया.

कुलियों के लिए रेट बढ़ाने पर राहुल गांधी ने रेलवे को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को देश भर में कुलियों की मजदूरी बढ़ाने के लिए रेलवे को धन्यवाद दिया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि भारतीय रेलवे और सरकार ने मेरे कुली भाइयों की आवाज सुनी है। उनकी यह टिप्पणी उत्तर रेलवे द्वारा 26 सितंबर के एक आदेश में अपने जोन के कई स्टेशनों पर कुलियों के लिए दरों को संशोधित करने के निर्णय के बाद आई है। संशोधित दरों के अनुसार, लोगों को ए सूची स्टेशनों पर 20 मिनट की प्रति यात्रा 40 किलोग्राम तक सामान के लिए 100 रुपये के बजाय 140 रुपये का भुगतान करना होगा, जबकि बी सूची स्टेशनों पर लोगों को 20 मिनट की 40 किलोग्राम तक के सामान के लिए 100 रुपये का भुगतान करना होगा।

रेलवे स्टेशनों पर कुलियों द्वारा सामान ले जाने की दरों में सात साल के बाद संशोधन किया गया है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि कई जोन ने देश भर के रेलवे स्टेशनों पर कुलियों के लिए दरों में संशोधन किया है। राहुल गांधी 21 सितंबर को आनंद विहार रेलवे स्टेशन गए थे और उन्होंने लाल शर्ट भी पहनी थी। उन्होंने रेलवे स्टेशन पर कुलियों से बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। बाद में, उन्होंने वीडियो साझा किया जिसमें कुलियों को वेतन संशोधन, बीमा और पेंशन की मांग करते देखा जा सकता है।

तेलंगाना के गृह मंत्री ने गनमैन को थप्पड़ मारा

हैदराबाद। तेलंगाना के गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने शुक्रवार को अपने गनमैन को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद वह विवादों में घिर गए हैं। दरअसल, गनमैन ने समय पर गुलदस्ते की व्यवस्था नहीं की थी जिसके चलते उन्होंने उसे थप्पड़ जड़ दिया। यह घटना हैदराबाद में तब घटी जब मोहम्मद महमूद अली पशुपालन मंत्री टी. श्रीनिवास यादव को उनके जन्मदिन पर बधाई देने पहुंचे थे। शहर के दोनों मंत्री सीएम ब्रेकफास्ट स्कीम के शुभारंभ के लिए एक सरकारी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है राज्य के गृह मंत्री हाथ उठाते दिख रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने उन्हें थप्पड़ मारा या नहीं। गृह मंत्री ने आते ही श्रीनिवास यादव को गले लगाकर जन्मदिन की बधाई दी, लेकिन उनके सुरक्षा अधिकारी के समय पर गुलदस्ता नहीं लाने के कारण गृह मंत्री अपना आपा खो बैठे और हाथ उठा दिया। श्रीनिवास यादव अपने वरिष्ठ सहयोगी को शांत कराने की कोशिश करते दिखे। जैसे ही अन्य सहायक शॉल और गुलदस्ता लेकर पहुंचे, महमूद अली ने यादव को वही उपहार दिया। गनमैन गृह मंत्री की कार्रवाई से परेशान दिखा।

शरद पवार ने मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। शरद पवार पार्टी विधायक जितेंद्र अव्हाड के साथ दोपहर दो बजे मध्य दिल्ली में 10 राजाजी मार्ग स्थित खड़गे के आवास पर पहुंचे। वरिष्ठ नेताओं के बीच बैठक 30 मिनट से अधिक समय तक चली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट किया, देश की जनता की आवाज़ और बुलंद करने के लिये आज राहुल गांधी के साथ, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार जी से मुलाकात की। हम हर चुनौती के लिए तैयार हैं। जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पोस्ट में मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर कीं। एक ट्वीट में भी पवार ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद मलिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में सांसद राहुल गांधी, राकांपा विधायक जितेंद्र अवहाद और सीडब्ल्यूसी सदस्य गुरदीप सपल भी मौजूद थे। शरद पवार ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। बैठक में सांसद राहुल गांधी, राकांपा विधायक जितेंद्र अवहाद और सीडब्ल्यूसी सदस्य गुरदीप सपल भी मौजूद थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ नेताओं ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन की भविष्य की रणनीति पर चर्चा की। सूत्र ने कहा कि नेताओं ने वर्तमान राजनीतिक स्थिति और गठबंधन के लिए आगे की राह पर भी चर्चा की। यह घटबंधन 2024 के लोकसभा चुनावों में केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है। बाद में दिन में भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) पार्टी के नाम और प्रतीक पर दावों को लेकर शरद पवार गुट और एनसीपी के अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट की याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। इस साल की शुरुआत में अजीत पवार ने दोनों गुटों के बीच झगड़े के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और पार्टी के चुनाव चिन्ह पर दावा करते हुए चुनाव आयोग से संपर्क किया था। बाद में, चुनाव पैनल ने पार्टी के दोनों गुटों को पत्र लिखकर विभाजन को स्वीकार किया और दोनों को मतदान निकाय को सौंपे गए दस्तावेजों को एक-दूसरे के साथ साझा करने का भी निर्देश दिया।

सांसद डॉ.के.पी.यादव ने ट्रेनों के स्टॉपेज स्वीकृत कराए

संसदीय क्षेत्र के गुना, शिवपुरी व अशोक नगर जिले को प्राप्त हुए स्टॉपेज, अशोक नगर, शाढोरा, पिपरई, मावन और बदरवास में विभिन्न ट्रेनों के स्टॉपेज हुए स्वीकृत

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विगत कोरोना के बाद से ही लगातार विभिन्न क्षेत्रों में ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर स्थानीय निवासियों की मांग बनी हुई है। जिसको लेकर गुना लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद सांसद डॉ.के.पी.यादव ने प्रयास करते हुए लगभग सभी ट्रेनों के स्टॉपेज व बंद हुई ट्रेनों को पुनः प्रारंभ करवा दिया है तथा क्षेत्र में रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अत्याधुनिकता पूर्ण कार्य भी प्रारम्भ हुए हैं। आज सांसद डॉ.के.पी.यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से क्षेत्र वासियों को ट्रेनों के स्टॉपेज संबंधी सूचना पोस्ट की,जिसमें रेल मंत्रालय द्वारा ट्रेनों के स्टॉपेज के स्वीकृति पत्र को भी साथ में पोस्ट किया गया है। सांसद डॉ.के.पी.यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि पिपरई तथा शाढोरा रेलवे स्टेशन पर भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस,मावन स्टेशन पर कोटा- बीना मेमू ट्रेन,अशोकनगर रेलवे स्टेशन पर उदयपुर-शालीमार साप्ताहिक ट्रेन तथा बदरवास स्टेशन पर रतलाम-भिंड इंटरसिटी एक्सप्रेस का स्टॉपेज रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत कर दिया गया है।

सांसद यादव द्वारा बताया गया कि इन स्टेशनों पर ट्रेनों का स्टॉपेज लगभग एक हफ्ते के अंदर प्रारंभ हो जाएगा। जिससे जनता को आने वाली कठिनाइयों से निजात प्राप्त होगी।

सांसद डॉ.के.पी.यादव ने बताया कि क्षेत्र की जनता की लगातार इन क्षेत्रों में ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर मांग बनी हुई थी जिसको मैंने रेल मंत्रालय के समक्ष रखा, जिसे हमारी संवेदनशील सरकार ने प्राथमिकता से लेते हुए स्वीकृति प्रदान की है। सांसद डॉक्टर केपी यादव ने क्षेत्र वासियों की ओर से रेल मंत्री तथा भारत सरकार का आभार प्रकट किया है।

फर्जी वोटरकार्ड और आधारकार्ड बनाने वालों का पर्दाफाश कर किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी शहर में आये दिन थानों एवं वरिष्ठ कार्यालय में फर्जी आधार कार्ड एवं वोटर कार्ड बनाने संबंधी शिकायते एवं सूचना प्राप्त हो रही थी उक्त घटनाओं को संज्ञान में लेते हुये पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया आदेश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मूले एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में तत्काल थाना कोतवाली से टीम गठित कर संबंधित कम्प्यूटर ऑन लाइन की दुकानों पर चैकिंग एवं छानवीन की गई तो पुरानी कलारी के पास फतेहपुर चैराहे से सागर कम्प्यूटर की ऑन लाइन दुकान पर बडी मात्रा में फर्जी आधार एवं वोटर कार्ड एवं फर्जी शील (मेडीकल कालेज शिवपुरी) तथा सरपंचों की शील एवं फर्जी दस्तावेज जिन पर से फर्जी आधार कार्ड एवं वोटर कार्ड बनाये जाते थे तथा एक बड़ा गिरोह जो बैंक तथा लोकसेवा केन्द्र पर फर्जी तरीके से लोगों के आधार तथा वोटर कार्ड बिना किसी दस्तावेजों के बनाते थे और लोगों के भविश्य से खिलवाड करते है एवं दस्तावेजों का दुरपयोग कर मोटी रकम कमाते है उक्त आरोपियो के विरूद्ध थाना कोतवाली पर अप0क्र0 722/23 धारा 420, 467,468 भादवि का पंजीबध्द किया गया एवं दो आरोपी गिर0 किये गये जिनसे भारी मात्रा में नकली आधारकार्ड वोटरकार्ड, पैनकार्ड एवं नकली शील जप्त की गयी एवं आरोपियो से पूछताछ कर अन्य साथियो के बारे में जानकारी जुटायी जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली श्री विनय यादव, उनि0 दीपक पलिया, उनि सुमित शर्मा, प्र. आर. 142 नरेश यादव, आर0 206 भूपेन्द्र यादव, आर0 248 भोला ठाकुर, आर0 767 अजीत राजावत की विशेष भूमिका रही।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। जवाहर नवोदय विद्यालय पनघटा (नरवर) शिवपुरी में सत्र 2024-25 में कक्षा 9वीं एवं कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए पार्श्व परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन केवल ऑनलाइन ही भरे जा सकते हैं, जिसकी अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। अभ्यार्थी रजिस्ट्रेशन के लिए वेबसाइट पर संपर्क करें। 9वीं कक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी का जन्म 1 मई 2009 से 31 जुलाई 2011 तथा 11वीं कक्षा के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी का जन्म 1 मई 2007 से 31 जुलाई 2009 के मध्य होना चाहिए तथा शिवपुरी जिले के किसी मान्यता प्राप्त शासकीय अथवा अशासकीय विद्यालय में संपूर्ण सत्र 2023-24 में कक्षा 8वीं एवं 10वीं परीक्षा में अध्ययनरत होना है।

थाना तेंदुआ पुलिस द्वारा कच्ची शराब का अवैध कारोबार करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर अवैध शराब कीमती 6000 रुपए की जप्त

अनिल कुशवाह-पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिहं भदौरिया के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मूले एवं अनुविभागिय अधिकारी पुलिस कोलारस के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ व शराब,जुआ,सट्टा अभियान के पालन में आज दिनांक 06.10.2023 को दौराने इलाका गश्त मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि थाना तेंदुआ जिला शिवपुरी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पिपरोदा में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रुप से कच्ची शराब का व्यापार कर रहा है, मुखबिर की सूचना से ग्राम पिपरौदा में दविश देकर आरोपी मुन्ना शिकारी पुत्र जुग्गा शिकारी (मोगिया) उम्र 48 साल निवासी ग्राम पिपरौदा थाना तेंदुआ के कब्जे से दो प्लास्टिक की बडी 30-30 लीटर की कैने दोनों में 30-30 लीटर कुल 60 लीटर कुल कीमती 6000 रुपए की कच्ची शराब भरी हुई को मौके पर जप्त की गई व आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पाया जाने से अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर दण्डात्मक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय कोलारस जिला शिवपुरी पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि विवेक यादव, का. सउनि राजपाल यादव, का. प्र. आर. 773 जितेन्द्र सोनी, का.प्र.आर. 351 बलवन्त पाल, का. प्र. आर. 281 आदेश धाकड मय आर. 522 भग्गू भिलाला मय आर.चालक 85 लोकेन्द्र सिहं झाला की सराहनीय भूमिका रही है।

अग्रवाल नवयुवक मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल ने किया नवीन कार्यकारिणी का गठन

प्रतीश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

मधुसुदनगढ़। अग्रवाल नवयुवक मंडल अध्यक्ष वीरेन्द्र अग्रवाल ने किया नवीन कार्यकारिणी का गढ़न किया। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर श्री विवेक बंसल, सचिव पद पर श्री नीरज गोयल, सह सचिव पद पर श्री विकास अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद पर श्री पंकज अग्रवाल, तथा पांच सदस्य समिति का गठन किया गया जिसमें धर्मेंद्र अग्रवाल, महेंद्र मित्तल, नवनीत मित्तल, अंकित गुप्ता, संस्कार बंसल, एवं साथ ही मीडिया प्रभारी श्री क्रांति जी अग्रवाल, श्री प्रतीश जी अग्रवाल, को नियुक्त किया गया है। समाज के सभी वरिष्ठ जनों ने बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निर्माण कार्यों के होने से यहां की सुंदरता बड़ेगीः केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल

बकायन में 99.90 लाख रूपये की लागत के निर्माण कार्यो का किया भूमि पूजन

पुष्पांजली टुडे

दमोह। बकायन हनुमान जी महाराज का सेवा का मौका मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग की तरफ से मिला है, उसका भूमि पूजन हुआ उस स्थान की स्वच्छता सुंदरता और सुरक्षा तीनों मजबूत होंगे। हनुमान मंदिर परिसर में विभिन्न जन सुविधाओं के कार्यों का भूमि पूजन संपन्न हुआ है, इन कार्यों से यहां की सुंदरता बढ़ेगी। मंदिर में दर्शन पूजन कर सफाई की व्यवस्था की जाए, इस हेतु सभी जन स्वयं में आगे आए। इस आशय के विचार जिले के ग्राम बकायन के हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 99.90 लाख रूपये की लागत से जन सुविधाओं के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन के दौरान केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने व्यक्त किये। इस अवसर पर मंदिर के महंत हरीदास जी, सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र बजाज, पंडित सतीश तिवारी, रामेश्वर चौधरी, गोपाल पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण पटेल, पंडित नरेंद्र व्यास, पूर्व

विधायक लखन पटेल एवं उमा देवी खटीक, कपिल शुक्ला, रामेश्वर पटेल, माया बाई, वीरेंद्र पटेल, सुरेश पटेल मंचासीन थे। केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल ने कहा इस स्थान की दृष्टि से जो काम हो रहे है, बहुत बड़े काम हैं। पहली बार मंदिर का इतिहास बन रहा है। उन्होंने आम जनों से नशे से बचने का आह्वान किया और बच्चों में अच्छे संस्कार देने का आग्रह किया। कुंडलपुर में स्थापित माता रुक्मणी की मूर्ति की स्थापना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक निर्णय से माता रुक्मणी की यहां पर स्थापना संभव हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति अपना आभार जताया। कार्यक्रम के प्रारंभ में केंद्रीय राज्य मंत्री पटेल ने महंत जी का स्वागत किया। कार्यक्रम के पहले पूर्व विधायक लखन पटैल ने संबोधित करते हुये कहा मन में बात थी यहां सामुदायिक भवन बन जाये शेड बन जाये, आज इन कार्यों का भूमिपूजन हुआ है। यह काम पूरा होने पर एक बड़ा परिवर्तन दिखेगा। कार्यक्रम के पूर्व में केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री पटेल ने इमलाबाले हनुमान जी के दर्शन कर आर्शीवाद लिया और सभी के अच्छे भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आसपास के गांव से आए हुए ग्रामीणजन मौजूद रहे।

मेघावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

पुष्पांजली टुडे

दमोह। बजरिया नंबर 2 वार्ड 32 में मेघावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन वार्ड पार्षद सभापति श्रीमती हलीमा सादिया शेख रफीक खान द्वारा वार्ड के मेघावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया वार्ड एवं शहर की कुछ समाज सेवी एवं समाजसेवी संस्थाओं का भी सम्मान किया गया बजरिया नंबर दो में प्रथम रैंक में आने वाले विद्यार्थी दसवीं क्लास की साक्षी चक्रवर्ती को पार्षद द्वारा साइकिल भेंट की गई। पार्षद हलीमा सादिया रफीक खान ने कहा की शिक्षा के क्षेत्र में और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम वार्ड में काम शुरू करेंगे ताकि और भी जन प्रतिनिधियों को इसकी प्रेरणा मिले और यह कार्यक्रम अब हर साल किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनाब सैयद, कुतुब अली, शहर काजी, शाहब शहर काजी ने की। इस अवसर पर कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री पंडित मनु मिश्रा, महेंद्र दुबे, अनवर उल हक उस्ताद साहब, आजम खान रहें। आमंत्रित अतिथि के रूप में संजय चौरसिया, अमर राजपूत, सभापति जनाब शहजाद खान, अमजद डायमंड रहें। कार्यक्रम का संचालन जनाब डॉक्टर नाजिर खान जी ने किया।

गोंड महासभा ने मनाया अमर वीरांगना महारानी दुर्गावती का जन्मोत्सव

बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाई महारानी दुर्गावती की जन्म जंयती

पुष्पांजली टुडे

दमोह/बांदकपुर। प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंवर सुनील शाह ऐडाली ने जानकारी देते हुए बताया है कि गोंडवाना साम्राज्य की अमर वीरांगना महारानी दुर्गावती का 499 जन्मोत्सव कार्यक्रम गोंड समाज महासभा जिला कमेटी दमोह के तत्वधान में दमोह जिले की पावन नगरी ग्राम बांदकपुर में बड़े हर्ष उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम कार्यक्रम स्थल से गोंड समाज महासभा की मातृशक्ति पितृशक्ति युवा शक्तियों के द्वारा मां रानी दुर्गावती का स्वरूप लिए घोड़े पर विराजमान बग्घी के साथ नगर में रैली निकाली उसके तत्पश्चात नगर में खेर दाई की पूजा कर भगवान जागेश्वर भोलेनाथ के पूजा अर्चना करने के बाद रैली पुनः कार्यक्रम स्थल पहुंची। जहां पर आमंत्रित अतिथियों के द्वारा गोंडवाना साम्राज्य की अमर शहीद वीरांगना महारानी दुर्गावती मरावी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर अतिथियों ने उन्हें नमन किया । इसके बाद आयोजित कमेटी द्वारा अतिथियों का स्वागत फुल माला उसे किया और अतिथियों द्वारा महारानी दुर्गावती एवं गोंडवाना साम्राज्य के विशालकाय इतिहास पर अपने वक्तव्य रखें और इस कार्यक्रम का मंच सफल संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंवर सुनील

शाह ठाकुर उप सरपंच ग्राम पंचायत समदई के द्वारा किया।

इस कार्यक्रम में शामिल मुख्यतिथि गोंड समाज महासभा प्रदेश सह सचिव कौशल सिंह पोर्ते इमलीडोल जिला पंचायत सदस्य बबीता पोर्ते प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंवर सुनील शाह ठाकुर उप सरपंच समदई, जबेरा ब्लॉक अध्यक्ष महाराज सिंह धुर्वे(रिटायर्ड फौजी) जबेरा सरपंच एवं पूर्व ब्लाक अध्यक्ष शिवलाल धुर्वे , युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष अनरत सिंह ऐडाली , गोंड समाज महासभा दमोह जिला अध्यक्ष धीरज सिंह सारुता शिक्षक आयोजक, डोमन सिंह ठाकुर बालवीर सिंह मरावी शिक्षक जाहर सिंह पोर्ते शिक्षक, जगन पहलवान, जय सिंह कड़ोपा, राजेश मरावी, भुमका संघ अध्यक्ष्य नारायण मरावी, 750 धारी कोमल शाह बंकागढ, शंकर शाह तेकाम, रघुवीर सिंह मरावी, प्रकाश सिंह धुर्वे, कमोद सिंह, नारायण सिंह ठाकुर अपर कलेक्टर, महेंद्र सिंह मरकाम शिक्षक, अज्जू तेकाम, मनु मरावी, गोविंद सिंह, कोदू शाह पुट्टा, प्रेम सिंह, सुनील शाह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रजनी टेकाम, लक्ष्मी, गोपा ऐडाली, आरती एडाली, आशी ऐडाली, प्रिया मरकाम, ज्योति, निशा, आदि हजारों की तादाद में जिले भर के गोंड समाज महासभा के लोगों की उपस्थिति रही कार्यक्रम का अंत में आभार व्यक्त डोमन सिंह ठाकुर ने व्यक्त किया।

वन्य प्राणी सप्ताह समारोह के भाग रूप भाटसन पे केंद्र स्कूल में वक्तृत्व प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

पाटन ब्यूरो दैनिक पुष्पांजली टुडे गुजरात/सरस्वती। वन विभाग पाटन द्वारा वन्य प्राणी सप्ताह के अंतर्गत आज भाटसन पे सेंटर स्कूल में सरस्वती तालुका स्तरीय वक्तृत्व प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। वन विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष 2 से 8 अक्टूबर को वन्य जीव सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। पाटन वन विभाग द्वारा सरस्वती तालुका स्तरीय वन्यजीव सप्ताह समारोह आज भाटसन पे सेंटर स्कूलमें श्रीमती पी.एम चौधरी रेंज वन अधिकारी श्री, श्री वी. एल. देसाई राउंड वन अधिकारीश्री, श्री एस.एस. परमार, श्रीमती एच.पी. पटेल, श्रीमती के. सी. लेबोलो, श्रीमती ए.एस. चौधरी, श्री बी.एल.देसाई एवं श्री शैलेश भाई सुथार आचार्य श्री सहित

विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों की विशेष उपस्थिति रही। विद्यार्थियों ने वक्तृत्व प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रथम से तृतीय तक के प्रतिभागियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये तथा भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिये गये। भाटसन विद्यालय परिवारने वन विभाग से आये सभी गणमान्य व्यक्तियों को पुस्तक देकर सम्मानित किया। जबकि श्री वी.एल. देसाई ने आचार्य श्री शैलेशभाई सुथार को पुस्तक देकर सम्मानित किया तथा शिक्षक निलेश श्रीमाली को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। श्री वि.एल. देसाई ने वन्यजीवों की पहचान, वन्यजीव संरक्षण और महत्व की गहन जानकारी दी। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के शिक्षक श्री नीलेश श्रीमाली द्वारा किया गया।

मंदिर निर्माण के लिए की पहल ,बैठक में मंदिर निर्माण को लेकर हुई चर्चा

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सेंणचा

बेंगलूरू। सीरवी समाज ट्रस्ट सुकंदकट्टे आईमाता वडेर में ट्रस्टी सदस्यों की मिटींग आयोजित की गई । सभा का शुभारंभ आईमाताजी की आरती के पश्चात् ट्रस्टियो की आम सभा का आयोजन हुआ जिसमें आईमाता मंदिर व समाज भवन निर्माण के लिए भवन निर्माण कमेटी के ?सदस्य चुनने हेतु पांच सदस्यों की एक समिति का गठन किया गया। जिसमें इन्द्र लाल सोलंकी, घीसुलाल चोयल,पुर्व अध्यक्ष खेमाराम पंवार, मांगी लाल परिहार, पुर्व सह सचिव अशोक परिहार को

भवन निर्माण कमेटी बनाने हेतु चुना गया । इस कार्यक्रम में वडेर के अध्यक्ष रूगाराम चोयल ने सभी ट्रस्टियो को धन्यवाद दिया। सचिव हनुमान राम बर्फा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष घीसाराम सोलंकी, सह-कोषाध्यक्ष रतनाराम पंवार,उपाध्यक्ष लक्ष्मण राम पंवार सह सचिव भंवरलाल गेहलोत , भानाराम गेहलोत,मांगीलाल काग,बाबुलाल गेहलोत,पुर्व अध्यक्ष चेलाराम गेहलोत,कमेटी सदस्यो सहित समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे। मंच संचालन सह- सचिव भंवरलाल गेहलोत ने किया

सरथुर गांव में हुआ विश्व में सबसे बड़ा समुद्र मंथन

पुष्पाजंली टुडे

पाली। क्षेत्र के गांव सरथुर मे 30 साल बाद समुद्र मंथन का अवसर आया 36 कौम ने मिलकर मामाजी नाडी मे समुद्र मंथन किया और गांव में सुख-शांति की प्रार्थना की और 36 कौम मिलकर समुद्र मंथन किया और करीब 7000 से बढ़कर लोग आए थे। सरथुर ग्राम में बुधवार को 7000 महिलाओं ने तालाब पर समुद्र मंथन किया। जहां बहनों ने अपने भाइयों की लंबी उम्र की कामना की। तो भाइयों ने भी बहन का हाथ पकड़ कर तालाब से बाहर निकाला और चुन?ी ओढाई 7 बुधवार को सरथुर मे 36 कुम समाज की 7000 से अधिक महिलाएं और करीब 7 हजार लोग इकट्ठा हुए। जिन्होंने समंदर हिलोरने की परंपरा निभाई। सबसे पहले महिलाएं बुधवार को सरथुर मे 36 कुम समाज की 7000 से अधिक महिलाएं और करीब 7 हजार लोग इकट्ठा हुए। जिन्होंने समंदर हिलोरने की परंपरा निभाई। सबसे पहले महिलाएं मंगल गीत गाते हुए निकली और नाड़ी [तालाब] के पास पहुंची। इस दौरान ग्रामीण ढोल की थाप पर डांस कर रहे थे। समुद्र मंथन कार्यक्रम को लेकर आने वाले सर्व 36 कुम समाज के लिए परंपरा के अनुसार भाई-बहन तालाब के पास जाकर एक घ? से पानी को हिलाते हैं और बहन-भाई को तालाब का पानी पिलाती है। जबकि, भाई बहन को चुनरी ओढ़ता है। इस प्रथा को समंदर हिलोरना कहा जाता है। वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच कार्यक्रम की शुरुआत हुई। जिसमें सबसे पहले बहनों ने तालाब की चार परिक्रमा लगाई। भाइयों ने तालाब के अंदर बहन के साथ खड़े होकर अपने हाथों से पानी पिलाकर उनका उपवास खुलवाया। समुद्र मंथन को लेकर गांव के समस्त ग्राम वासीयो ने व्यवस्थाएं संभाली।

पुलिस ने पाँच-पाँच हजार रुपये के दो ईनामी हत्या के प्रकरणों में फरार बदमाशों को किया गिरफ्तार

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक के निर्देशन मे ईनामी बदमाशों की धरपकड हेतु समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारी को मुखबिर तन्त्र विकसित करने के लिये निर्देशित किया गया था । दिनांक 05/09/23 को शाम 18.30 बजे रसकलाल मैरिज गार्डन के सामने वाली गली में नीलेश जाटवकी गोली मारकर हत्या की गयी थी जिस पर से थाना देहात के अपराध कंमाक 555 / 2023 धारा 302, 147,148,149 भादवि 3 (2) (व्ही) एससी / एसटी एक्ट कायम कर विवेचना मे लिया गया उक्त हत्या काण्ड का खुलासा किया जाकर हत्या में शामिल 06 आरोपीगणों को पूर्व में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अन्य आरोपियों पर 05- 05 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया।

आरोपीगण अपराधी एवं शातिर प्रवृत्ति के व्यक्ति है जो घटना दिनांक से फरार होकर गिरफ्तारी से बचने के लिये छिप गये थे जिनके लिये नगर पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार उईके द्वारा सायबर सेल भिण्ड को थाना देहात के साथ आरोपीगणों की गिरफ्तारी हेतु टीम में लगाया गया। उक्त टीमों द्वारा घटना के बाद से ही घटनास्थल के आसपास मुखबिर तंत्र सक्रिय कर दिया गया उक्त टीमों द्वारा लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी गयीं।

दिनांक 05/10/23 को सक्रिय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुयी कि घटना में शामिल आरोपीगण भारोली रोड मण्डी गेट के सामने कही बाहर जाने की फिराक में खडे हैं। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

उक्त कार्यवाही में थाना देहात निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह,सायबर सेल प्रभारी एसआई दीपेन्द्र यादव, एएसआई सत्यवीर सिंह, नरेन्द्र चौहान,प्रधान आरक्षक रामशंकर कटारे आरक्षक प्रमोद पाराशर,प्रधान आरक्षक महेश कुमार, सतेन्द्र यादव,नीरज भदोरिया, मनीष, आरक्षक आनन्द दीक्षित,राहुल यादव, दीपक जादोन,ज्ञानेन्द्र,यतेन्द्र राजावत,हरपाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

अपहृत हुई नाबालिग बालिका को 72 घण्टे में किया दस्तयाब

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय संजीव पाठक के निर्देशन में तथा उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के मार्ग दर्शन में बालक बालिकाओं के दस्तयाबी अभियान के तहत अपहृत हुई नाबालिग बालिका को 72 घण्टे में दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की।दिनांक 30/09/2023 को फरियादी धर्म सिंह पुत्र प्रहलाद सिंह राजावत निवासी किशोर सिंह का पुरा ने रिपोर्ट की कि उसकी नाबालिग पुत्री कोचिंग पढते समय उसके पेट में दर्द होने से वह कस्बा ऊमरी में दवा लेने गई थी तभी अज्ञात व्यक्ति उसे बहला फुसलाकर ले गया। फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र. 262/2023 धारा 363 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपहृता की दस्तयाबी हेतु टीमों को गठन किया गया। दिनांक 03/10/2023 को मुखबिर की सूचना पर अपहृत हुई बालिका को इटावा से दस्तयाब कर वैधानिक प्रक्रिया के उपरांत सीडब्ल्यूसी शाखा के माध्यम से दस्तयाब शुदा अपहृता उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया।उक्त उल्लेखनीय कार्य में थाना प्रभारी ऊमरी निरीक्षक रविन्द्र शर्मा, उपनिरीक्षक भान सिंह सिसौदिया, प्रधान आरक्षक विनोद सिंह चौहान, उमरदराज खान, कुलसुमन भदौरिया, आरक्षक आलेश यादव, संतोष जाट की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ऊमरी पुलिस ने अपहृत हुई नाबालिग बालिका को 72 घण्टे में किया दस्तयाब

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

थाना – ऊमरी। दिनांक 6 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक महोदय भिण्ड श्री मनीष खत्री, अति. पुलिस अधीक्षक महोदय संजीव पाठक के निर्देशन में तथा उप पुलिस अधीक्षक महोदय मुख्यालय के मार्ग दर्शन में बालक बालिकाओं के दस्तयाबी अभियान के तहत अपहृत हुई नाबालिग बालिका को 72 घण्टे में दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की।दिनांक 30/09/2023 को फरियादी धर्म सिंह पुत्र प्रहलाद सिंह राजावत निवासी किशोर सिंह का पुरा ने रिपोर्ट की कि उसकी नाबालिग पुत्री कोचिंग पढते समय उसके पेट में दर्द होने से वह कस्बा ऊमरी में दवा लेने गई थी तभी अज्ञात व्यक्ति उसे बहला फुसलाकर ले गया। फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र. 262/2023 धारा 363 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपहृता की दस्तयाबी हेतु टीमों को गठन किया गया। दिनांक 03/10/2023 को मुखबिर की सूचना पर अपहृत हुई बालिका को इटावा से दस्तयाब कर वैधानिक प्रक्रिया के उपरांत ष्ट्व्ळ्ष्ट शाखा के माध्यम से दस्तयाब शुदा अपहृता उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया।उक्त उल्लेखनीय कार्य में थाना प्रभारी ऊमरी निरीक्षक रविन्द्र शर्मा, उ.नि. भान सिंह सिसौदिया, प्र. आर. विनोद सिंह चौहान, उमरदराज खान, कुलसुमन भदौरिया, आरक्षक आलेश यादव, संतोष जाट की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नगरा पुलिस अपहरण के आरोपी का 20 साल पुराना स्थाई वारंटी को उ.प्र. से धर दबोचा...

केशब पंडित जी अम्बाह...
पोरसा... आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक मुरैना शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा अवैध हथियार तस्करों, अवैध शराब मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री, ईनामी फरारी बदमाशों एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़ हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं एसडीओपी

अम्बाह रवि भदारिया के कुशल मार्गदर्शन में थाना नगरा का सबस पुराना स्थाई वारंटी प्र.क्र. 258 / 2000 जो धारा 364,120 बी भा.द.वि. का होकर लगभग 20 साल से फरार चल रहा था, उक्त प्रकरण में मुखबिर की सूचना पर थाना नगरा पुलिस द्वारा दिनांक 06.10.2023 को आरोपी को उ.प्र. के ग्राम डाल का पुरा थाना पुलिस द्वारा का थाना बासोनी जिला आगरा से गिरफ्तार कर ए.डी.जे कोर्ट मुरैना में पेश किया गया ।

उक्ति कार्य में नरेश निरंजन थाना प्रभारी नगरा प्र. आर. 972 मधुराज सिंह श्रावणी, आर. आर. चालक 874 घनेन्द्र जाट, आर. 1061 रबिन्द्र सिंह, की भूमिका रही है।

धूमधाम से मनाया गया मंडल महामंत्री का जन्मदिन

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह– भाजपा के नगर मंडल महामंत्री युवा नेता राव साहब गुर्जर का जन्मदिन ब? ही हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया गया।जिस दौरान उनके मित्रमंडल,कार्यकर्ताओ ने अलग अलग जगह केक काट कर व मिठाई वितरण कर उनका जन्मदिन मनाया।इस दौरान राव साहब गुर्जर ने एक व्रक्ष भी रोपा।उन्होंने कहा कि जन्मदिन पर कुछ यादगार करने के लिए अपने मित्रों सहित वृक्ष लगाया।उन्होंने कहा कि लगातार हर जगह वृक्ष काटे जा रहे हैं लेकिन वृक्षो की कीमत इंसानों को अभी नही बाद में पता चलेगी क्योंकि मानव जीवन के लिए सांस लेने के लिए वृक्षो का होना अतिआवश्यक है।इस दौरान उनके समर्थकों ने भी उनके निज निवास पहुंचकर उनको जन्मदिन की बधाई प्रेषित की हैं।

समय चक्र को जानने वाला ही महा ज्ञानी होता है

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर

मालनपुर ब्रह्माकुमारीज में भागवत गीता के कार्यक्रम में कथावाचक ब्रह्माकुमारी दीपा बहन जी ने कहा श्रीमद् भागवत गीता के अध्याय 9 के अंतर्गत स्वयं निराकार परमपिता परमात्मा ने कहा है तीनों वेदों को जानने वाला समय चक्र को जानने वाला महा ज्ञानी होता हैद्य हे अर्जुन ब्रह्मा का दिन और रात्रि सहस्त्र चतुर्दशी होते हैं जो पुरुष यह जानते हैं वह काल के तत्व को जानने वाले हैं द्य संसार रूपी अविनाशी पीपल के वृक्ष का बीज ऊपर है और ब्रह्मा नीचे की शाखा में हैद्य विभिन्न धर्मो वेदों की शाखाएं चारों ओर फैली हुई है जो इस वृक्ष को जानता है वह समस्त वेदों को जानता है द्य तीनों वेदों को जानने वाली श्रेष्ठ कर्म करने वाली, सोम रस पीने वाली पवित्र आत्माएं मेरी यज्ञ के द्वारा ही स्वर्ग लोक जाते हैं और फिर स्वर्ग के सुखों को भोगते हुए पुण्य कम होने पर द्वापर में रजो एवं कलयुग में अति तमोप्रधान हो जाती है द्य इस प्रकार तीन धर्म की स्थापना एक के बाद एक करता हूं द्य परमपिता परमात्मा आकर पतित आत्माओं को पावन बनाते हैं इस प्रकार यह कालचक्र घूमता रहता है द्य भागवत की शुरुआत में ब्रह्मा कुमारीज मालनपुर की संचालिका ज्योति बहन ने बताया परिवर्तन प्रकृति का नियम है इसीलिए परिवर्तन से घबराएं नहीं बल्कि उसे स्वीकार करें द्य कथा में इटावा से पहुंची ब्रह्माकुमारी दीपिका बहन ने बहुत सुंदर भजन सुना कर सभी का मन मोह लिया द्य कथा में रुक्मणी बहन, मोहिनी बहन, भावना बहन, डीसीपी राजकुमार कुशवाहा आरएसएस के अभय शर्मा तथा नीलेश भाई उपस्थित थे

जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एंड मैनेजमेंट, बोरावा केप्रबंधन के छात्रो ने किया भारतीय प्रबंध संस्थान (आई.आई.एम.) इंदौर का शैक्षणिक भ्रमण

खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

खरगोन जवाहरलाल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, बोरावा के प्रबंधन के 102 छात्रों एवं 11 संकाय सदस्यों के साथ गुरूवार 05 अक्टूबर 2023 को देश की सर्वोच्च चौथी वरीयता प्राप्त प्रबंध संस्थान भारतीय प्रबंध संस्थान (आई. आई. एम.) इंदौर का भ्रमण किया । भ्रमण का उद्देश्य संस्थान के शैक्षणिक कार्यकमों, सुविधाओं, प्लेसमेंट और बुनियादी ?ाचे के बारे में जानना था । छात्रों को संस्थान के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति मिली और छात्रों के लिए इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया । छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ पाठ्येतर गतिविधियों पर भी अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया । विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब डॉ. आदित्य बिल्लोरे ने दिए, उन्होंने बताया कोई भी व्यवसाय एक व्यक्ति के काम करने से नही चल सकता है । व्यवसाय को सफल बनाने के लिए सभी को एक संगठन में कार्य करना होता है, प्रबधन के अध्ध्यन से व्यक्ति में संगठन के साथ काम करने कि लगन और चेतना जाग्रत होती है, विद्यार्थियों को प्रबंधन के क्षेत्र का महत्व और उसके बाद उनके जीवन में बदलाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । छात्रों को केस स्टडी बेस अध्ययन का महत्व भी समझाया गया । जिससे वे व्यवसायों में आने वाली बड़ी से बड़ी समस्याओं को आसानी से हल कर सके और नवीन तथ्यों को जान सके ।जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड मैनेजमेंट बोरावां के छात्रों ने आई. आई. एम. इंदौर के छात्रो के साथ संवाद भी किया और उनसे अलग - अलग प्रबंधन संकायों कि जानकारी ली तथा उनके पाठ्यक्रम, समय सारणी एवं दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में भी जाना । इसी के साथ छात्रों ने आई. आई. एम. इंदौर की लाइब्रेरी, ऑडिटोरियम, मेस, हॉस्टल, क्लासरूम, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स एवं स्विमिंग पूल को भी देखकर उत्साहित हुए । कॉलेज के निदेशक डॉ. निशांत दुबे ने डॉ. आदित्य बिल्लोरे एवं विजय दादलानी को ह्रदय से धन्यवाद दिया, जिनकी वजह से यह विजिट संभव हो सकी एवं छात्रो से उम्मीद कि है की इस यात्रा से हमारे छात्रों को जो अद्वितीय ज्ञान और सूचनाएं प्राप्त हुई है । वह उन्हें प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रसर करेगा । पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरुण यादव ने विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाये दी । विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान संस्थान के शिक्षक डॉ. शीतल छाबड़ा, प्रो. उर्वशी बारचे, प्रो. हर्षिता अग्रवाल, प्रो. रश्मीतकौर भाटिया, प्रो. नेहा गुप्ता, प्रो. जितेन्द्र मालाकार, प्रो. तेजल ठाकुर, प्रो. पंकज पांचाल, अरविन्द बडोले एवं प्रिया वर्मा भी उपस्थित थे ।

डिगाई गांव की बेटी साक्षी कँवर ने जिले में प्रथम स्थान हासिल करने पर किया सम्मानित

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता नरेश कुमार सिरवी पाली राजस्थान

जवाली. गुंदोज। राजकीय बांगड़ महाविद्यालय पाली में डिगाई गांव की छात्रा साक्षी कँवर ने राजस्थान मिशन 2030 के तहत आयोजित जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कलेक्टर नामित मेहता द्वारा एक लाख रुपए का चेक व योग्यता प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित। वहीं गांव में उनके पिता महेन्द्र सिंह का कहना की साक्षी शुरू में पढ़ाई में बहुत होशियार है।उनके पिता डिंगाई ग्राम पंचायत में उपसरपंच है। वही माता रेखा कँवर आंगनवाड़ी में कार्यकर्ता है। वहीं गांव में शैतासिंह भाटी , किशनसिंह उदावत,जीवाराम मेगवाल, नारायणसिंह सोनिगरा, मोन्टुसिंह भाटी , मोहनलाल चौधरी, सहित कई ग्रामीणों ने बधाई दी। वही गांव में खुशी की लहर है।

यूपी के बाहुबली नेता राजा भैया की हेकड़ी-दबंगई और परिवार... सब दांव पर लगा है

अजय कुमार

हर 'दल' अजीज रहे उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले की कुण्डा विधान सभा क्षेत्र के बाहुबली विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया जिनकी कभी 'तूती' बोला करती थी, अपनी 'सल्तनत' हुआ करती थी, जिसमें उनका अपना दरबार लगता था और इस दरबार में बड़ी-बड़ी हस्तियां एवं सरकारी अधिकारी हाथ जोड़े खड़े रहते थे, जो भले अपने नाम के साथ राजा लगाता था, लेकिन असल जिंदगी में यह राजा नहीं गुनाहों का देवता था, लेकिन वह अपने आप को 'इंसाफ का पुजारी' ही बताता था। यह 'राजा' अपनी 'अदालत' लगाकर अपने हिसाब से फैसला सुनाया करता था, जिसकी चौखट पर कानून दम तोड़ देता था। ऐसा इसलिए हो पाता था क्योंकि इस राजा ने राजपाट जाने के बाद अपनी ताकत बनाये रखने के लिए राजनीति की शरण ले ली थी। राजनीति भी सत्ता पक्ष की, जिस पार्टी की सरकार बनते दिखती थी, यह राजा उधर चला जाता था। आज वही राजा भैया बाहर से लेकर घर तक मुसीबत से घिरे हुए हैं। वैसे तो राजा भैया हर मुश्किल से बाहर निकलने में महारथ रखते हैं, लेकिन इस बार मामला कुछ ज्यादा ही संगीन और गंभीर हो गया है। एक तरफ करीब चार माह पूर्व रघुराज प्रताप सिंह (राजा भैया) की तरफ से पत्नी रानी भानवी के खिलाफ दायर तलाक के केस ने परिवार में अंदरूनी कलह बढ़ा दी है, वहीं दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश को पलट कर दस वर्ष पूर्व मार्च 2013 में कुण्डा के सीओ जिया-उल-हक हत्याकांड में राजा भैया की भूमिका की सीबीआई जांच के आदेश को हरी झंडी दिखाकर राजा भैया की हेकड़ी और दबंगई दोनों निकाल दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने जिस सी0ओ0 जिया-उल-हक हत्याकांड की सीबीआई जांच का आदेश दिया है, उस मामले में एक बार सीबीआई राजा भैया को क्लीन चिट दे चुकी है। यह सब अखिलेश राज में हुआ था, तब राजा भैया अखिलेश सरकार में मंत्री थे। राजा भैया पर जब सीओ की हत्या का आरोप लगा तो तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की संस्तुति पर 8 मार्च 2013 को सीबीआई ने हत्याकांड की जांच शुरू की। नन्हे यादव के बेटे बबलू यादव, भाई पवन यादव, फूलचंद यादव और करीबी मंजीत यादव को गिरफ्तार किया गया। सीबीआई का दावा था कि सीओ को गोली बबलू यादव ने मारी थी। सीबीआई ने राजा भैया से लंबी पूछताछ की और पॉलिग्राफी टेस्ट भी कराया। आखिरकार एक अगस्त 2013 को सीबीआई इस नतीजे पर पहुंची कि सीओ हत्याकांड से राजा भैया और उनके चारों करीबियों का कोई ताल्लुक नहीं है। जुलाई 2013 में सीबीआई ने इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट लगाई, जिसमें 14 आरोपित थे। इसमें राजा भैया और उनके किसी भी करीबी का नाम नहीं था, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए नामजद व्यक्तियों की भूमिका के समुचित साक्ष्य जुटाकर आगे जांच करने का निर्देश दिया। सीबीआई ने ट्रायल कोर्ट के इस फैसले को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी। दिसंबर 2022 में हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट मान ली थी। इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ सीओ जिया-उल हक की पत्नी परवीन आजाद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसके बाद सीओ की हत्याकांड की जांच पुनः शुरू हो गई है। अब सीओ की पत्नी को इंसाफ की उम्मीद जागी है, लेकिन उनके दिमाग में यह भी चल रहा है कि जो सीबीआई राजा भैया को एक बार क्लीन चिट दे चुकी है, वह क्या अब इंसाफ पूर्वक जांच करेगी। बात राजा भैया की घरेलू कलह की कि जाए तो राजा भैया की दयनीय हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके पिता भदरी रियासत के राजा उदय प्रताप सिंह भी बेटे राजा भैया के बैरी हो गए हैं। इसकी बानगी कुछ माह पूर्व तब देखने को मिली जब उदय प्रताप सिंह ने अपनी बहू भानवी के पक्ष में राजा भैया के खिलाफ ट्वीट करके मोर्चा खोल दिया था। राजा उदय प्रताप सिंह ने अपने ट्विट में लिखा था,'रघुराज (राजा भैया) भदरी अपने आदर्श मुल्ला मुलायम से कम नहीं।' इस टिप्पणी के कई मतलब निकाले गए, जिस पर राजा भैया सफाई नहीं दे पाए। बताते हैं कि राजा भैया और उनकी पत्नी के बीच तलाक की नौबत पति-पत्नी के बीच 'वो' के आ जाने से आई थी। यह 'वो' एक पत्रकार बताई जाती है। बाहुबली राजा भैया की सियासी पारी की बात की जाए तो वह समाजवादी पार्टी, भारतीय

जनता पार्टी सबके करीबी रह चुके हैं। अपराध जगत में उनकी तूती बोलती थी, लेकिन कभी उनका बाल भी बांका नहीं हुआ। इस मिथक को बसपा सुप्रीमो मायावती ने तोड़ा था। बात 1997 की है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी और बीएसपी की गठबंधन सरकार चल रही थी। बीजेपी और बहुजन समाज पार्टी में छह-छह महीने का मुख्यमंत्री बनने पर डील हुई थी। डील के मुताबिक मायावती को सितंबर में अपनी सरकार के छह महीने पूरे होने के बाद सत्ता बीजेपी को हस्तांतरित करनी थी, लेकिन ऐन मौके पर मायावती ने ऐसा करने से मना कर दिया। हालांकि, सियासी दबाव में मायावती को कुर्सी छोड़नी पड़ी और तब कल्याण सिंह मुख्यमंत्री बने। कुछ ही महीनों में मायावती ने बीजेपी से समर्थन वापसी का ऐलान कर दिया और तब यूपी की सत्ता में राजा भैया की एंट्री होती है। राजा भैया उर्फ रघुराज प्रताप सिंह प्रतापगढ़ के कुंडा से निर्दलीय विधायक थे। उन्होंने तब मायावती की पार्टी बसपा और कांग्रेस के कुछ विधायकों को तोड़कर और कुछ निर्दलीय विधायकों के समर्थन से कल्याण सिंह की सरकार बचाने में मदद की थी। कल्याण सिंह ने फिर राजा भैया को अपनी सरकार में मंत्री बनाया था। यहीं से शुरू होती है मायावती और राजा भैया के बीच राजनीतिक अदावत की कहानी। साल 2002 में जब फिर से बीजेपी और बीएसपी की सरकार बनी तो गठबंधन सरकार फिर हिचकोले खाने लगी। इसी बीच मायावती ने पांच साल पुरानी सियासी रंजिश का बदला राजा भैया से ले लिया। कहा जाता है कि बीजेपी की तरफ से नाम देने के बावजूद मायावती ने 2002 में राजा भैया को मंत्री नहीं बनाया था और उसी साल मायावती ने बीजेपी विधायक पूरण सिंह बुंदेला की शिकायत पर 2 नवंबर, 2002 को तड़के सुबह करीब 4 बजे राजा भैया को आतंकवाद निरोधक अधिनियम के तहत गिरफ्तार करवा कर जेल में डलवा दिया। रघुराज प्रताप सिंह की भदरी रियासत की हवेली में भी मायावती ने पुलिस का छापा डलवा दिया था। कहा जाता है कि इस छापे में हवेली से कई हथियार बरामद हुए थे। इसी के बाद राजा भैया पर पोटा लगाया गया था। उनके साथ उनके पिता उदय प्रताप सिंह और चचेरे भाई अक्षय प्रताप सिंह को भी अपहरण और धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मायावती ने साल 2003 में राजा भैया के प्रतापगढ़ स्थित भदरी रियासत की कोठी के पीछे 600 एकड़ में फैले बेंती तालाब को भी खुदवा दिया था। कहा जाता है कि खुदाई में इस तालाब से नरकंकाल मिले थे, जिसके बारे में कई कहानियां हैं। इस तालाब के बारे में ऐसी चर्चा थी कि राजा भैया ने इसमें घड़ियाल पाल रखे हैं और अपने दुश्मनों को इसी तालाब में फेंकवा दिया करते हैं। हालांकि राजा भैया इस बात से इंकार करते हैं।

राजा भैया के बारे में कहा जाता है कि राजशाही खत्म होने के बाद राजा भैया ने राजनीति के रास्ते से अपनी ताकत बचाये रखने का रास्ता चुना। राजा भैया ने 1993 में 26 साल की उम्र में कुंडा से चुनाव लड़ा और तब से हुए सभी विधान सभा चुनावों में जीत हासिल की। उन्होंने राजनाथ सिंह, कल्याण सिंह और मुलायम सिंह यादव के अधीन मंत्री के रूप में कार्य किया है। कुंडा में सीओ के पद पर तैनात रहे पुलिस उपाधीक्षक जिया उल हक की हत्या की साजिश करने के आरोपों से घिरे रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का आपराधिक रिकॉर्ड काफी पुराना है। उन पर डकैती, हत्या की कोशिश और अपहरण जैसे अपराधों के संबंध में मामले दर्ज हैं। विधानसभा चुनाव 2017 में चुनाव आयोग के पास दर्ज अपने हलफनामे में स्वयं रघुराज प्रताप सिंह ने बताया कि उनके खिलाफ धारा 395, 397, 307, 364, 323, 325, 504, 506, 427, 34 के तहत मामले दर्ज हैं। इनमें डकैती, हत्या की कोशिश और अपहरण जैसे अपराधों का जिक्र था। बहरहाल, देश में बेशक राजे-रजवाड़े और रियासतें खत्म हुए सालों बीत चुके हों, लेकिन उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ की जनता आज भी कुंवर रघुराज प्रताप सिंह अपना राजा मानकर पूजती है, लेकिन इसके पीछे की वजह राजा भैया का सम्मान नहीं उनकी दहशत का साम्राज्य है। प्रतापगढ़ और उसमें भी कुंडा के इलाके में आज भी राजा भैया और उनके परिवार की हुकुमत चलती है। अपनी दबंगई से उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी एक खास जगह बनाने वाले राजा भैया का विवादों से चोली-दामन का साथ रहा। कभी जेल के अंदर से तो कभी जेल के बाहर रहकर, सियासत के इस बाहुबली ने राजनीति में अपना जबरदस्त सिक्का जमाया। राजा भैया की तरह ही उनके पिता भी बेहद तेजतर्रार व्यक्ति थे। 1974 में राजा भैया के पिता उदय प्रताप ने तो अपनी रियासत को एक अलग ही राज्य घोषित कर दिया था। ये बात दिल्ली तक पहुंची, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने तुरंत सेना की टुकड़ी प्रतापगढ़ भेज दी। कहते हैं तब से लेकर आज तक राजा भैया के परिवार की कांग्रेस से दूरी ही रही।

बता दें कि राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी सिंह का तलाक का केस अभी कोर्ट में चल रहा है। हाल ही में भानवी ने तलाक मामले में दिल्ली के साकेत कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। इसमें उन्होंने पति (राजा भैया) पर शारीरिक और मानसिक शोषण करने के साथ ही एक महिला पत्रकार से अफेयर का भी आरोप लगाया है। अदालत में दाखिल अपने जवाब में भानवी सिंह ने साफ कहा कि तलाक लेने के लिए उनके पति ने जो कहानी कोर्ट के सामने पेश की है वह पूरी तरह से मनगढ़ंत है। अपने जवाब में भानवी सिंह ने लिखा है कि उसके पति राजा भैया के दूसरी महिलाओं के साथ अवैध संबंध हैं। इन अवैध रिश्तों का विरोध करने पर घोर प्रताड़नाएं दी जाती हैं। साकेत कोर्ट में न्यायधीश शुनाली गुप्ता के समक्ष दाखिल किए गए जवाब में भानवी सिंह ने पति द्वारा मारपीट करने का आरोप लगाते हुए चोटों की फोटो भी पेश की है।

सम्पादकीय

दोहरा रवैया ठीक नहीं

आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में जिस तरह से कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने बगैर किसी ठोस सबूत के भारत पर आरोप लगा दिया और उसके बाद अमेरिका ने जांच में सहयोग का राग अलाप कर भारत को परोक्ष नसीहत देने की कोशिश की, वह अंतरराष्ट्रीय हलकों में किसी से छुपा नहीं है। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से मंगलवार को दिए अपने भाषण में बड़ी बारीकी से उन सभी सवालों को संबोधित किया, जो इस सिलसिले में उठ रहे थे। उन्होंने मंच की सीमाओं का खयाल रखते हुए न केवल भारत का पक्ष स्पष्ट किया बल्कि अन्य देशों को भी उनकी सीमाओं का अहसास कराया। विदेश मंत्री ने साफ कहा कि अब वह दौर नहीं रहा जब कुछ देश मिलकर दुनिया का अजेंडा सेट करें। जयशंकर ने भले ही कनाडा या किसी अन्य देश का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों से साफ था कि वह किस ओर इशारा कर रहे हैं। फिर भी अगर किसी के मन में कोई संदेह रह गया हो तो न्यूयॉर्क में काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में हुई चर्चा के दौरान वह भी साफ हो गया। वहां उन्होंने साफ-साफ कहा कि कनाडा अगर कोई ठोस और सटीक सबूत देता है, तो भारत निश्चित रूप से उस पर विचार करेगा, लेकिन वहां पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आतंकवादी और अलगाववादी गतिविधियां बढ़ी हैं, संगठित अपराध बढ़ा है, उससे जुड़ी भारत की चिंताओं का क्या? वहां भारतीय राजनयिकों को धमकियां दी जाती हैं, भारतीय कॉन्स्युलेट पर हमला होता है और उनके लिए जिम्मेदार तत्वों के बारे में पूरी सूचना मुहैया कराए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, उलटे उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हवाला दिया जाता है। ऐसी स्थिति कैसे मंजूर की जा सकती है? रही बात अमेरिका की तो हाल के वर्षों में उसके साथ भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में जो करीबी आई है और जिस तरह से दोनों देशों में सामरिक भागीदारी बढ़ी है, उसका ध्यान रखना दोनों पक्षों के लिए जरूरी है। संभवतः इसी वजह से विदेश मंत्री जयशंकर इस पर अभी सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कह रहे। लेकिन जहां तक अकाउंटेबिलिटी पर जोर देने की बात है तो यह नियम सबके लिए होना चाहिए। और भारत के बारे में तो अभी सिर्फ आरोप है, वह भी ऐसा जिसका कोई ठोस आधार भी सामने नहीं आया है, जिस देश की सरकार ने आरोप लगाया है, वहां जांच तक पूरी नहीं हुई है, पर जिन देशों पर अन्य राष्ट्रों की संप्रभुता और सीमाओं का उल्लंघन करते हुए कार्रवाई करने के मामले ज्यादा ठोस रूप में सामने आ चुके हैं उन पर चुप्पी क्यों? क्या यह अजीब नहीं है कि जिम्मेदारी तय करने का यह जोश सिर्फ भारत के मामले में दिखाया जा रहा है? जयशंकर ने सही कहा कि आतंकवाद से जुड़े ऐसे मामलों पर आज भी कई देश दोहरा रवैया अपना रहे हैं, जो उचित नहीं।

महात्मा गांधी एवं दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन

प्रज्ञा पाण्डेय

गांधी जयंती है, गांधी ने साधन शुचिता को ध्यान में रख साध्य को प्राप्त करने पर विशेष बल दिया। ऐसे में हम दीनदयाल को याद करते हैं सार्वजनिक जीवन में आचरण की शुचिता को महत्ता दी, तो आइए हम आपको गांधी एवं दीनदयाल के दर्शन के विषय़ में कुछ रोचक बातें बताते हैं।

गांधी जहां 'स्वराज' एवं 'स्वदेशी' का समर्थन करते हैं वहीं दीनदयाल 'एकात्म मानववाद' के दर्शन की बात करते हैं। गांधी ने अपने विचारों द्वारा लोगों को मानवता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने सत्य एवं अहिंसा द्वारा लोगों को सदभाव एवं भाईचारे की सीख दी। उनकी विचारधारा सदियों तक याद की जाएगी। वहीं दीनदयाल को उनके अंत्योदय के लिए जाना जाता है। इस महापुरुष ने समाज के वंचित तबकों को मुख्य धारा में शामिल करने का प्रयास किया। यद्यपि गांधी एवं दीनदयाल में समानताएं थीं तथापि की उनकी सामाजिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक उद्देश्य समान नहीं थे। एक ओर गांधी सार्वजनिक जीवन में व्यस्त रहते तो दूसरी दीनदयाल एकांत जीवन में रहकर काम करना पसंद करते थे। हमारे देश की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों को जिन दो महापुरुषों ने बहुत अधिक प्रभावित किया उनमें महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय का प्रमुख है। दोनों महापुरुषों ने अपने सार्वजनिक जीवन में शुचिता, नीतिमत्ता और प्रमाणिकता के उच्च आदर्श स्थापित किए। जहां एक ओर दीनदयाल उपाध्याय के छोटे जीवन-काल ने जिन मापदंडों को स्थापित किया उनसे लोग चकित थे वहीं महात्मा गांधी का सत्याग्रही जीवन एक संदेश है। महात्मा गांधी एवं दीनदयाल उपाध्याय ने विभिन्न संदर्भों में अलग-अलग मुकाम कायम किए लेकिन मौलिक रूप से वह जमीन से जुड़े हुए थे। दोनों साध्य के स्थान पर साधन को महत्व देते थे इसलिए उन्होंने आध्यात्मिकता के द्वारा भौतिक एवं पारमार्थिक

आवश्यकताओं की पूर्ति का लक्ष्य बनाया। गांधी की आध्यात्मिकता तथा दीनदयाल के एकात्म मानवतावाद ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में सहयोग कर पर्यावरणीय प्रवृति को भी बनाए रखा। गांधी और दीनदयाल कई मुद्दों पर समान विचार रखते थे ग्राम स्वराज, संयुक्त परिवार, मातृभाषा में शिक्षा देना और शक्ति का विकेंद्रीकरण, रामराज, समाज का एकीकरण और आध्यात्मिक राष्ट्रवाद। दोनों ने धर्म आधारित राजनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों रामराज्य चाहते थे, जिसका आशय राम का राज्य नहीं बल्कि आदर्श शासन व्यवस्था थी। धर्मविहीन राजनीति अमर्यादित हो जाती है। दोनों ने सार्वजनिक जीवन में शामिल लोगो के चरित्र और शुचिता पर जोर दिया।

गांधी दीनदयाल 'स्वदेशी' 'स्वावलंबन' पर जोर देते हैं। गांधी दीनदयाल, अंत्योदय और सर्वोदय पर बल देते हैं। गांधी एवं दीनदयाल दोनों ने अपने जीवन काल में पूंजीवाद तथा इसकी प्रतिक्रिया में जन्मे समाजवाद या साम्यवाद का संघर्ष देखा था। गांधी एवं दीनदयाल मानते थे कि आर्थिक समानता के लिए पूंजीवाद को हतोत्साहिस करना होगा। वहीं साम्यवाद के मार्ग पर चलने से बंधुता समाप्त होगी और समता के स्थायित्व में भी कमी आएगी। गांधी आत्मनिर्भरता या आर्थिक स्वायत्ता को राजनीतिक स्वाधीनता की कुंजी मानते थे। उनके अनुसार भारत में अधिकाधिक उत्पान और अधिक लोगों द्वारा उत्पादन। गांधी का मानना था कि किसी अन्य पर आश्रित होकर हम आत्मनिर्भर नहीं हो सकते हैं। दीनदयाल ने हर हाथ को काम का व्यवहारिक मंत्र दिया। इससे समाज के सभी वर्ग को काम मिलेगा, बेरोजगारी खत्म होगी और देश आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने विदेशी को स्वदेशानुकूल और स्वदेशी को युगानुकूल बनने की सलाह दी।

दोनों महापुरुष प्राकृतिक संसाधनों को विशेष महत्व देते हैं। उनके अनुसार देश में प्राकृतिक संसाधनों क विवेकपूर्ण दोहन होना चाहिए। गांधी कहते हैं कि प्रकृति के पास सबकुछ है लेकिन मनुष्य के लालच की पूर्ति के लिए बहुत कम है। दीनदयाल इस मुद्दे पर लोगों को चेतावनी देते हैं कि प्रकृति के विनाश से हुआ विकास सबका विनाश कर सकता है। गांधी एवं दीनदयाल दोनों में समाज में आर्थिक एवं सामाजिक रूप से वंचित एवं उपेक्षित तबकों की समानता पर समान विचार रखते हैं। जहां गांधी 'अंतिम जन' की बात करते हैं वहीं दीनदयाल 'अंत्योदय' का मंत्र देते हैं। गांधी एवं दीनदयाल सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लोगों के आचरण की शुचिता पर विशेष बल देते हैं।

क्या सचमुच जाति आधारित गणना कराना नीतीश कुमार का मास्टर स्ट्रोक है?

नीरज कुमार दुबे

बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने जाति आधारित गणना करवा कर उसके आंकड़े जारी कर दिये हैं। बिहार सरकार के इस कदम को बहुत बड़ा मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है और दावा किया जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम पर इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जो लोग नीतीश कुमार सरकार के इस कदम को मास्टर स्ट्रोक बता रहे हैं उन्हें समझना होगा कि यह मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार को पिछड़ेपन से आजादी मिल जाती, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में स्कूलों की हालत सुधर जाती, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में अस्पतालों की हालत सुधर जाती, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में गुंडाराज और माफिया राज का खात्मा हो जाता, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में पेपर लीक होना बंद हो जाता, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में भ्रष्टाचार समाप्त हो जाता, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में बेरोजगारी समाप्त हो जाती और पलायन रुक जाता, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में शराबबंदी के बावजूद जहरीली शराब पीने से होने वाली मौतें बंद हो जातीं, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में सड़कों की हालत सुधर जाती। मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में उद्योग-धंधे लग जाते, मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार में नौकरी की मांग पर पुलिस लाठीचार्ज होना बंद हो जाता। मास्टर स्ट्रोक तब होता जब बिहार भी जीएसटी संग्रहण में कुछ योगदान कर पाता। इसलिए नीतीश कुमार का यह फैसला मास्टर स्ट्रोक नहीं बिहार को पीछे धकेलने का प्रयास है। यह बात सही है कि सरकार के पास जनसंख्या संबंधी विस्तृत आंकड़े होंगे तो विकास योजनाएं बनाने में आसानी होगी लेकिन जब जाति जनगणना के आंकड़े जल्द ही होने वाली राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना से भी हासिल किये जा सकते हैं तो राज्यों को अपनी मशीनरी का इस्तेमाल जाति आधारित राजनीति के लिए करने से बचना चाहिए। हम आपको बता दें कि बिहार मंत्रिमंडल ने पिछले साल दो जून को जाति आधारित गणना कराने की मंजूरी देने के साथ इसके लिए 500 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। जरा सोचिये, यदि यह राशि विकास कार्यों में लगाई गयी होती तो राज्य के लोगों को इसका कितना लाभ मिलता। जरूरत इस बात की थी कि नीतीश कुमार अपने लंबे कार्यकाल में किये गये कार्यों का रिपोर्ट कार्ड जारी कर अपनी उपलब्धियां बताते लेकिन उन्होंने जाति आधारित गणना करवा कर चर्चा को दूसरी ओर मोड़ने का प्रयास किया है। बिहार सरकार में शामिल नेता अब हुँकार भर रहे हैं कि वह राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना के लिए माहौल बनाएंगे।

कुछ लोग इसे मंडल पार्ट-2 कह रहे हैं। ऐसे नेताओं को याद रखना चाहिए कि मंडल भाग-1 के दौरान कुछ लोगों द्वारा जिस तरह की राजनीति की गयी थी उससे समाज को बहुत नुकसान हुआ था और देश में अशांति फैली थी इसलिए बिहार सरकार ने जो कुछ किया उसे मंडल पार्ट-2 की संज्ञा देकर माहौल को बिगाड़ा नहीं जाना चाहिए। आज जब देश तरक्की के रास्ते पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। दुनिया भर में मंदी के माहौल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है और हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर कदम बढ़ा चुके हैं, ऐसे में विकास की बात ना कर जाति को महत्व देना गलत है। जरा दुनियाभर में नजर उठा कर देखिये किस विकसित देश ने आगे बढ़ने के लिए जाति या धर्म को महत्व दिया है? हम आपको यह भी याद दिला दें कि बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने राज्य में जाति आधारित गणना का आदेश पिछले साल तब दिया था, जब केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह आम जनगणना के हिस्से के रूप में एससी और एसटी के अलावा अन्य जातियों की गिनती नहीं कर पाएगी। देखा जाये तो मोदी सरकार का यह कहना पूर्णतया तर्कसंगत था कि जनगणना करते समय अन्य पिछड़ी जातियों की गणना नहीं की जाएगी। जहां तक पिछड़ों की गणना का सवाल है, पहली बात तो यह है कि अक्सर हर जाति के लोग अपने आप को पिछड़ा बताने के लिए तैयार हो जाते हैं, क्योंकि नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिलेगा। उसका नतीजा यह होता है कि किसी प्रदेश के एक जिले में जो जाति सवर्ण है, वही दूसरे प्रदेश के अन्य जिले में पिछड़ी है। हम आपको यह भी बता दें कि देश में आखिरी बार सभी जातियों की गणना 1931 में की गई थी। 1931 की जनगणना में जातियों की संख्या पूरे भारत में 4147 थी लेकिन 2011 की जनगणना में उनकी संख्या छलांग मारकर 46 लाख तक पहुंच गई। देखा जाये तो किसी भी व्यक्ति की जाति को निर्धारित करने का कोई निश्चित वैज्ञानिक पैमाना नहीं है। वह जो कह दे, वही सही है। सच्चाई तो यह है कि पिछड़ा, पिछड़ा होता है। उसकी कोई जाति नहीं होती। हर जाति में पिछड़े हैं और हर जाति में अगड़े हैं। इसीलिए जनगणना करने वाले बाबू लोग कभी-कभी बड़े विभ्रम में पड़ जाते हैं। वे देखते हैं कि गांवों के बड़े-बड़े जमींदार, जिनके बच्चे विदेशों में पढ़ रहे हैं, वह अपनी जाति के आधार पर अपने को पिछड़ों में शामिल करवा लेते हैं। हम आपको यह भी याद दिला दें कि सरकार ने 2011 में पिछड़ेपन का सर्वेक्षण करवाया था। उसमें जाति संबंधी जानकारी भी मांगी गयी थी लेकिन 2010-11 में चले 'मेरी जाति हिंदुस्तानी' आंदोलन ने इतना तगड़ा दबाव बनाया कि सरकार ने उन आंकड़ों को जारी ही नहीं किया था। बहरहाल, मोदी सरकार का यह संकल्प स्वागत योग्य है कि वह जातीय जनगणना नहीं करवाएगी। वैसे भी जाति जनगणना पिछड़ों के भले के लिए नहीं नेताओं ने अपने भले के लिए कराई है ताकि हिंदू समाज को बांट कर अपने राजनीतिक हितों को साधा जाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो इस मुद्दे पर विपक्ष पर हमला यह कहते हुए बोल ही दिया है कि कांग्रेस ने गरीबों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है और छह दशकों तक देश को जाति के आधार पर विभाजित किया है और यह 'पाप' वह अब भी कर रही है। जो लोग इस बात की गलतफहमी पाले बैठे हैं कि जाति आधारित गणना के चलते अगले लोकसभा चुनावों के लिए माहौल पूरी तरह भाजपा के खिलाफ हो जायेगा, उन्हें यह समझना होगा कि देश का कोई एक भाग भले जाति आधारित राजनीति के कुचक्र से अब तक बाहर नहीं निकला हो लेकिन बाकी देश विकास की मुख्यधारा से जुड़कर आगे बढ़ रहा है और चुनाव में मतदान देशहित से जुड़े मुद्दों को देखते हुए ही करेगा।

पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी रामनरेश पटेल के खिलाफ बैठी विभागीय जांच

आयुक्त लोक शिक्षण के निर्देश पर जेडी रीवा करेगे जांच, 2 साल से लगातार मात्र हो रही है जांच, जांच प्रतिवेदन पर भी उठ रहे सवाल

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। रीवा में पदस्थ रहे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एवं वर्तमान क्क्रस्त्र कॉलेज के प्राचार्य रामनरेश पटेल को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 14 के तहत आयुक्त लोक शिक्षण मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा दिनांक 21.02.22 आरोप पत्रादि जारी कर 21 दिन के भीतर उत्तर चाहा गया था। श्री पटेल द्वारा समयावधि में प्रतिवाद एवं दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने के फलस्वरुप सन्चालनालय द्वारा 14.03.23 श्री पटेल को पुनः यथा शीघ्र प्रतिबाद प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए गए। श्री रामनरेश पटेल ने संचालनालय के पत्राचार का कोई उत्तर नहीं दिया जिससे स्पष्ट है कि उनके विरुद्ध लगाए गए सारे आरोप उन्हें स्वीकार है एवं सही है। जिससे संचालनालय ने एक पक्षीय कार्यवाही करने का निर्णय लिया। चुकि लगाए गए आरोप काफी गंभीर है एवं आरोपी द्वारा किसी तरह का उत्तर ना देना स्वीकारोति को बताता है। प्रकरण की सूक्ष्मता से जांच किए जाने हेतु संचालनालय ने जेडी रीवा को जांच कर्ता अधिकारी तथा उप संचालक जेडी कार्यालय रीवा को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त करते हुए विभागीय जांच संसस्थित की है। **विभागीय जांच पर उठ रहे सवाल**–सूत्रों की माने तो पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एवं वर्तमान क्क्रस्त्र कॉलेज के प्राचार्य रामनरेश पटेल पर जिला शिक्षा अधिकारी रीवा के पद पर रहते हुए जिस तरह के गंभीर आरोप लगाए गए हैं और लगातार दो वर्षो से जांच के नाम पर टाइम पास किया जा रहा है, उनके द्वारा कोई उत्तर न दिए जाने पर उनकी स्वीकारोति बताते हुए भी मामले को लंबा खींचते हुए विभागीय जांच बैठा कर मात्र टाइम पास किया जा रहा है। जिससे एक बात स्पष्ट है कि संचालनालय द्वारा उन्हें पूर्णतः बचाए जाने के लिए टाइम पास किया जा रहा है। एवं 24 घंटे उनके नजदीक रहने वाले अधिकारियों को जांच कर्ता अधिकारी नियुक्त किया गया ऐसे में श्री पटेल के खिलाफ भला क्या जांच होगी यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

रीवा के लायंस नेत्र चिकित्सालय के डॉक्टरों की लापरवाही से गई मरीज की आंखों की रोशनी

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। लायंस नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों की लापरवाही एक रोगी पर भारी पड़ गई और उसकी सतरंगी दुनिया में अंधेरा छा गया। मोतियाविंद का गलत ऑपरेशन करने की वजह से रोगी की आंख खराब हो गई। कई जगह भटकने के बाद भी रोगी को केवल निराशा ही हाथ लगी। देशभर में मशहूर चित्रकूट नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों ने भी हाथ खड़े कर दिए। **कहां का और क्या है मामला**–जानकारी के अनुसार रीवा जिला मुख्यालय सब्जी मंडी में रहने वाले विजय पुरवार अपनी आंखों का ऑपरेशन करवाने के लिए 13 जुलाई 2023 को रीवा लायंस नेत्र चिकित्सालय में भर्ती हुए। वहां चिकित्सकों ने जांच कर बताया कि आंख में मोतियाबिंद है और इसका ऑपरेशन करना होगा। विजय पुरवार आंख का ऑपरेशन करवाने के लिए तैयार हो गए। विजय पुरवार ने बताया कि लायंस नेत्र चिकित्सालय के डॉक्टर पंकज जैसवानी के द्वारा उनके आंखों का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के पश्चात जब उनकी आंखों की पट्टी खोली गई तो पता चला कि उन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा। इसके बाद दोबारा ऑपरेशन किया गया उसके बाद भी रोशनी नहीं आई। लायंस नेत्र चिकित्सालय के डॉक्टर कोई सही जवाब देने के बजाय इधर-उधर भटकाने लगे। मामला आंख का था। ऐसे में विजय आंखों का चेकअप करवाने संजय गांधी हॉस्पिटल के नेत्र विभाग में पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के पश्चात बताया कि आपका अब ऑपरेशन नहीं हो सकता। साथ ही कुछ डॉक्टरों ने सलाह दी कि इसके लिए आपको चित्रकूट सतगुरु नेत्र चिकित्सालय जाना होगा। 31 जुलाई को विजय गुरुवार चित्रकूट नेत्र चिकित्सालय में पहुंचे और वहां भर्ती होकर इलाज करवाने लगे। चित्रकूट चिकित्सालय के डॉक्टरों ने एक माह तक उपचार किया। लेकिन सुधार न होने की स्थिति में चिकित्सकों ने भी हाथ खड़े कर दिए। चित्रकूट में इलाज कर रहे नेत्र चिकित्सकों ने बताया कि आपकी आंख का जब पहली बार मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ उस समय मोतियाबिंद का पूरा हिस्सा नहीं निकाला गया और ना ही आंख में सही ढंग से लेंस फिट किया गया। इसकी वजह से आपकी आंख में खून और मावाद जमा हो गया अब आपकी रोशनी कभी वापस नहीं आ सकती।

पुलिस के पास पहुंच गया मामला–आंख की रोशनी गवाने के बाद विजय पुरवार अब अपनी शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचे हैं। पुलिस में शिकायत दर्ज करवाते हुए उन्होंने अपनी आपबीती सुनाई। साथ ही कार्यवाही की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि शरीर का आंख बहुत उपयोगी अंग है। अगर कार्यवाही नहीं हुई तो इसी तरह चिकित्सक लापरवाही करते रहेंगे और पता नहीं कितने लोगों को अपनी आंख गंवानी पड़ सकती है। यदि भगवान स्वरूप माने जाने वाले डॉक्टर ऐसी हरकत करेंगे तो कैसे कोई भी इंसान इनके उपर भरोसा करेगा, और अपनी समस्या लेके किसके पास जाएगा अतः शासन प्रशासन को जल्द से जल्द एक्शन लेते हुए हॉस्पिटल और डॉक्टर की डिग्री तथा हॉस्पिटल के रजिस्ट्रेशन की जांच होना चाहिए तथा सही नही पाए जाने पर कार्यवाही की जानी चाहिए।

8 अपराधियों के विरुद्ध जिला बदर एवं एक के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

दैनिक पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी

सतना। जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, भय-रहित वातावरण में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के निर्वाचन कार्यक्रम को संपन्न कराने के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा ने जिले के 8 अपराधियों को एक वर्ष की कालावधि के लिये जिला बदर एवं एक आदतन अपराधी के विरुद्ध संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारियों को प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने के आदेश जारी किये हैं। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के तहत थाना मैहर अंतर्गत कटरा मोहल्ला मैहर निवासी शिवम उर्फ जोजो पिता स्व. केशव चौधरी उम्र 22 वर्ष, विवेक उर्फ सोनू पांडेय पिता स्व. विद्यासागर पांडेय उम्र 28 वर्ष, सराय मोहल्ला मैहर निवासी धर्मेंद्र कपाड़िया पिता स्व. मुन्ना कपाड़िया उम्र 32 वर्ष, घुरपुरा निवासी बब्बू चौधरी पिता छोटेलाल चौधरी उम्र 45 वर्ष, थाना ताला अंतर्गत बाजार टोला निवासी राजभान साकेत पिता कामता प्रसाद साकेत उम्र 44 वर्ष, थाना कोलगवां अंतर्गत बांधवगड़ कॉलोनी निवासी दिन्नी उर्फ दिनेश यादव पिता जगदीश यादव उम्र 42 वर्ष, प्रतीक मिश्रा पिता चिंतामणि मिश्रा एवं थाना नागौद अंतर्गत गड़ी टोला नागौद निवासी बिन्नी उर्फ विनय सोनी पिता देवी प्रसाद सोनी उम्र 30 वर्ष को एक वर्ष की अवधि के लिये जिले की सीमा और जिले से लगने वाले चतुर्दिक जिलों की सीमा से बाहर चले जाने का आदेश दिया है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा कोलगंवा थाना अंतर्गत ग्राम कुआं निवासी रत्नेश शुक्ला पिता संतोष शुक्ला उम्र 30 वर्ष के विरुद्ध थाना प्रभारी कोलगवां सतना को प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने का आदेश जारी किया है।

मैहर की पहली कलेक्टर रानी बाटड शुक्रवार को मैहर पहुंची और पदभार ग्रहण किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (संभागीय ब्यूरो)

मैहर। मध्य प्रदेश के 56वें जिले मैहर शासकीय कॉलेज की बिल्डिंग प्रशासनिक व्यवस्था का सबसे बड़ा नियंत्रण केंद्र होगी। नए जिले में कलेक्टर-एसपी के कार्यालय यहीं चलेंगे। शुक्रवार को यहां की पहली कलेक्टर भी मैहर पहुंच गई हैं। सतना से अलग होकर बनाए गए नए जिले मैहर की पहली कलेक्टर रानी बाटड शुक्रवार को मैहर पहुंचीं। उन्होंने माता शारदा के दर्शन कर मत्था टेका और पदभार ग्रहण किया। उधर राज्य शासन ने मैहर में पहले पुलिस अधीक्षक की भी पोस्टिंग के आदेश जारी कर दिए। जुलाई में राज्य पुलिस सेवा से पदोन्नत कर आईपीएस बनाए गए सुधीर कुमार अग्रवाल को मैहर जिले का नया एसपी बनाया गया है। वे उपायुक्त मुख्यालय नगरीय पुलिस भोपाल में पदस्थ थे। **कॉलेज भवन में दफ्तर**–नए जिले मैहर के कलेक्टर-एसपी के कार्यालय फिलहाल मैहर के शासकीय कॉलेज के भवन से चलेंगे। कॉलेज भवन में आवश्यक व्यवस्थाएं कर दी गई हैं। नए कार्यालय भवन बन कर तैयार होने तक प्रशासनिक व्यवस्था कॉलेज की बिल्डिंग में ही चलेगी। सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा, एसपी आशुतोष गुप्ता एवं सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित राव ने शुक्रवार की सुबह मैहर पहुंच कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। बता दें कि नए जिले मैहर में तीन तहसीलें मैहर, अमरपाटन,रामनगर और दो विधानसभा क्षेत्रों मैहर एवं अमरपाटन शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक मऊगंज वीरेन्द्र जैन के निर्देशन मे लूट के आरोपी को लौर थाना प्रभारी केपी त्रिपाठी ने 6 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
पुष्पेंद्र सिंह (ब्यूरो चीफ मऊगंज)

मऊगंज। घटनाक्रमः- दिनाँक 05.10.23 फरियादी ट्रक चालक रामदरश विश्वकर्मा पिता रामखेलावन विश्वकर्मा निवासी घुमा थाना गढ और ट्रक चालक प्रकाश सिंह पिता भूबनेश्वर सिंह निवासी क्योंटी थाना गढ का थाना आकर बताये की मे पिपरिया से बनारस गेहूं ले कर जा रहा था तभी लौर ओवरब्रिज के नीचे 2 व्यक्ति मोटरसाइकिल से आये और मेरे ट्रक के सामने मोटर साइकिल बेडा लगा कर रुकवा कर पैसे मांगने लगे ट्रक क्रमांक ह्वश्व63ञ्ज 9122 के चालक प्रकाश सिंह के पर्स से 5000 रुपय आधार कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस ले लिया और दूसरे ट्रक द्वश्व53द्धड्ड1889 से रूपए मागे जब रुपय नहीं दिया तो मेरे ट्रक मे चड़कर ड्राइवर को बाजु मे बैठा कर चलने लगा तो मे बाजु साइड से चलते ट्रक से कूद कर थाना आया थाने मे क्रमशः अपराध क्रमांक 364/23, 365/23 कायम कर थाना प्रभारी लौर,थाना प्रभारी मऊगंज थाना प्रभारी नईगढी द्वारा नकाबन्दी कर आरोपी और ट्रक को पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपी– 1 ताहिरअली मुसलमान पिता ताड़ मोहम्मद उम्र 26 साल निवासी सरखेलपुर थाना कंधई जिला प्रतापगड़(उ. प्र.)
2. शुभम शुक्ला पिता ओमप्रकाश शुक्ला उम्र 23 साल निवासी माडो थाना नईगढी

जप्त मशरूका–1. एक अदद ट्रक द्वश्व53द्धड्ड1889 कीमती 2000000रूपय
2. 250 कुंटल गेहू कीमती 750000 रूपय
3. 3000 नगद रूपय आधार कार्ड पेनकार्ड ड्राइविंग लाइसेंस
4. घटना मे प्रउक्त मोटर साइकिल
5. आरोपी की टाटा कंपनी की कार 6. लेपटॉप ष्श्चह्व मॉनिटर कुल कीमती 39लाख रूपये

महत्वपूर्ण भूमिकाः– निरी. के.पी. त्रिपाठी थाना प्रभारी लौर थाना प्रभारी मऊगंज हमराह स्टाफ,थाना प्रभारी नईगढी हमराह स्टाफ सउनि दिलराज सिंह सउनि अंगद शुक्ला प्रआर जयप्रकाश रावत आर रविसंकर कोल आर अखिल सिंह आर भगवान सिंह आर विसम्भर सिंह।

गोविन्दगढ़ पुलिस की कार्यवाही जिला बदल के आरोपी द्वारा जिला बदर के उल्लंघन पर आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
शिवम तिवारी (ब्यूरो चीफ)

रीवा।। पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर,डीएसपी मुख्यालय हिमाली पाठक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल द्वारा स्टाफ के साथ जिला बदल के आरोपी संजय सिंह पिता विजय राज सिंह निवासी डिहिया थाना गोविन्दगढ जिला रीवा का जो जिला बदल की कार्यवाही होने पर भी घर में रह रहा था जिसे गोबिंदगढ़ पुलिस ने पड़कर अपराध क्रमांक 339/23 धारा 14 राज्य सुरक्षा अधिनियम थाना गोविन्दगढ़ रीवा मे कायम किया गया है एवं आरोपी को जेल भेजा गया, आरोपी द्वारा श्रीमान ज़िला दंडाधिकारी रीवा के आदेश का उल्लंघन किया गया था सराहनी भूमिका थाना प्रभारी गोविन्दगढ़ शिवा अग्रवाल, सऊनि. गुलाब सिंह आरक्षक कौशलेंद्र सिंह परिहार आरक्षक उपेंद्र सिंह बघेल आरक्षक राहुल पाण्डेय।

रीवा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल से इकलौते किडनी डाक्टर रोहन दुबेदी ने दिया इस्तीफा

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा विधायक राजेंद्र शुक्ल भले ही सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की टी आर पी,, बढ़ाने के लिए कितने कसीदे पढ़े,, लोगों को उपचार देने की वाहवाही लूटने की कोशिश करते रहे परन्तु यह अस्पताल अधिक दिनों तक चलने वाला नहीं है, यह बंद होने की कगार पर पहुंच रहा है एक तरफ रीवा विधायक उपलब्धि बताने में लगे हैं उधर डाक्टर भाग रहे हैं, एक मात्र किडनी डाक्टर रोहन दुबेदी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

लोकायुक्त रीवा की ट्रैप कार्यवाही

नाम आवेदक श्री रोहित मिश्रा पिता श्री तारकेश्वर प्रसाद मिश्रा उम्र -30 वर्ष निवासी ग्राम दादर पदः उपसरपंच

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
दादर पंचायत

__आरोपी।__ श्री पंकज तिवारी पिता

पुरनेद्र तिवारी पद- ग्राम रोजगार सहायक (तत्रस्) ग्राम पंचायत दादर जनपद पंचायत मझौली जिला सीधी

ट्रेप रिश्वत राशि -3900 रुपए

__घटना स्थल__ – ग्राम पंचायत दादर जनपद पंचायत मझौली जिला सीधी

कार्य का विवरण- शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी कि मस्टर रोल में हाजिरी भरने , जियो टैग करने, डीपीआर ऑनलाइन कंप्यूटर में फीडिंग करने के एवज में ग्राम पंचायत दादर के रोजगार सहायक श्री पंकज तिवारी द्वारा 3900 रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है, इस बात का सत्यापन लोकायुक्त संभाग रीवा के पुलिस अधीक्षक श्री गोपाल सिंह धाकड़ द्वारा कराया गया तो यह बात सत्यापित हुई की वास्तविकता में आरोपी श्री पंकज तिवारी द्वारा 3900 रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है , जिस पर से आज ट्रेप कार्यवाही आयोजित की गई थी , आज दिनांक 06.10.2023 को आरोपी पंकज तिवारी को शिकायतकर्ता श्री रोहित मिश्रा से 3900 रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ ट्रैप किया गया

__ट्रेपकर्ता अधिकारी श्री प्रमेंद्र कुमार निरीक्षक__–ट्रेप दल के सदस्य- श्री प्रवीण सिंह परिहार उप पुलिस अधीक्षक, श्री प्रमेंद्र कुमार निरीक्षक, सहित 15 सदस्यीय टीम कार्रवाही जारी है।

गंगेव बाजार में अवैध गुंडा टैक्स की वसूली से परेशान ऑटो एवं टैक्सी चालक

दैनिक पुष्पांजली टुडे रीवा
शिवम तिवारी ब्यूरो चीफ

रीवा,मनगवां। एक तरफ जहां टैक्सी एवं ऑटो चालकों का करोना काल में 2 वर्ष बिजनेस ठप रहा किसी कदर उससे उबरने के लिए सड़कों पर अपने वाहन दौड़ाने लगे जहां डीजल की मार से आम जनजीवन त्रस्त है वही गंगेव बाजार में ऑटो एवं टैक्सी चालकों से गुंडा टैक्स के नाम पर प्रति ऑटो एवं टेक्सी 20 वसूली की जाती है जबकि ना तो शासन द्वारा ग्राम पंचायत स्थानों में बाजार वसूली का कोई ठेका कराया गया है ना ही किसी व्यक्ति को अधिकृत किया गया है फिर भी गुंडा टैक्स के नाम पर अवैध वसूली की जाती है अगर चालकों द्वारा पैसा देने से मना किया जाता है तो मारपीट की जाती है यहां तक कि पैसे भी छीन लिया जाते हैं प्रशासन से कई बार शिकायत की गई लेकिन उस पर अंकुश लगाने के बजाय अवैध वसूली वालों को अभय दान ही दिया जा रहा है अब तक उन पर ठोस कार्यवाही नहीं हुई इसलिए हौसले दिन पे दिन बढ़ते ही जा रहे बाजार में जहां बाजार वसूली के नाम पर गुंडा टैक्स की खुलेआम वसूली की जाती है और आए दिन मारपीट की स्थिति निर्मित होती है ऑटो व टैक्सी चालकों ने जिले के आला अधिकारियों से मांग की है कि अगर जल्द इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो हम आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

थाना प्रभारी सहित जिले के आला अधिकारियों से शिकायत–गंगेव बाजार में गुंडा टैक्स के नाम पर वसूली करने वालों के खिलाफ ऑटो एवं टैक्सी चालकों ने सामूहिक रूप से थाना प्रभारी मंनगवा अनूप उइके के समक्ष शिकायत की है कि गुंडा टैक्स के नाम पर अवैध वसूली की जाती है और नहीं देने पर मारपीट यहां तक कि पैसे भी छीन लिए जाते हैं इस पर जल्द से जल्द अंकुश लगाया जाए जिससे हम सड़कों पर आसानी से चल सके और यात्रियों को उनके स्थान पर सुरक्षित पहुंचा सकेबिना अधिकृत के बाजार में वसूली या (गुंडा टैक्स की वसूली)

बता दे कि जिस व्यक्ति द्वारा गुंडा टैक्स के नाम पर वसूली की जाती है पारसनाथ गोस्वामी के ऊपर थाना में ही कई अपराध पंजीबद्ध है फिर भी ना तो जनपद द्वारा बाजार वसूली का टेंडर कराया गया ना ही वसूली करने के लिए अधिकृत किया गया फिर किसके दम पर यह गुंडा वसूली हो रही है कोई तो है जो पर्दे के पीछे ऑटो टैक्सी चालकों से गुंडा टैक्स की वसूली करा रहा है गंगेव बाजार में आए दिन सड़कों पर गुंडा टैक्स न देने पर मारपीट की जाती है इससे आम जनमानस भी परेशान है।

वार्ड क्रं. 13 में घर–घर जाकर पम्पलेट के माध्यम से ग्रामवासियों एवं वार्डवासियों को जानकारी प्रदान की गई

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री मान्नीय कमलनाथ जी के निर्देशानुसार संगठन प्रभारी श्री प्रताप भानु शर्मा जी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा जी, शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल जी, एवं संगठन मंत्री सज्जन पटेल के मार्गदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बोदाबाग के अधिवक्ता शिवेन्द्र प्रताप सिंह बघेल के नेतृत्व में शिवराज सरकार के घोटालों के बारे में बोदाबाग के ब्लॉक के ग्राम कपुरी एवंतथा उक्त पम्पलेटों के माध्यम से ग्रामवासियों व वार्डवासियों को शिवराज सरकार के द्वारा किये घोटालों के बारे में जानकारी प्रदान करते समय वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक श्रीवास्तव, मण्डलम अध्यक्ष सुनील कुशवाहा, दिलीप पटेल, ब्लॉक उपाध्यक्ष प्रभात सिंह, संतोष मिश्रा, हीरा तिवारी, भवानी सिंह, दिलराज सिंह, मनमोहन सिंह सेक्टर अध्यक्ष, लकी सिंह, देवमुनि विश्वकर्मा, मधुर कुशवाहा, पाठक जी, संदीप कुशवाहा, लवकुश पाण्डेय, दिनेश विश्वकर्मा, हीरालाल, शंकरलाल कोल, एवं कपुरी ग्राम के ग्रामवासी एवं वार्ड 13 के वासियों द्वारा उक्त पम्पलेट को बटवाने में सत्ता परिवर्तन के उत्साह के साथ सहयोग प्रदान किया। एवं नवागांव हरिजन बस्ती में विगत एक माह से जले हुए ट्रांसफार्मर को रात को बदलवाया गया जिससे नवागावं के हरिजन बस्ती में कई दिनों से फैले हुए अधेंरे में रोशनी आई।

चोटों से प्रभावित न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ आगाज करने उतरेगा इंग्लैंड

नई दिल्ली। सफेद गेंद के क्रिकेट की परिही बदल देने वाले इंग्लैंड क्रिकेट की स्वर्णिम पीढ़ी के क्रिकेटर चोटों से प्रभावित न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां विश्व कप में अपने अभियान का आगाज करेंगे तो उनका इरादा 2019 फाइनल को दोहराने का होगा।

इंग्लैंड की टीम युवा नहीं है लेकिन जोस बटलर की कप्तानी में वह तीसरा विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार है। टी20 विश्व कप भी इंग्लैंड ने ही जीता था। दूसरी ओर अभी तक आईसीसी विश्व कप नहीं जीत सकी न्यूजीलैंड टीम के सामने कई समस्यायें हैं। कप्तान केन विलियमसन अभ्यास मैच खेलने के बावजूद पहला मैच नहीं खेल पायेंगे। वहीं तेज गेंदबाज टिम साउदी भी पहले मैच में उपलब्ध नहीं हैं। दोनों सर्जरी के बाद पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं।

अहमदाबाद की पिच आम तौर पर बल्लेबाजों की मददगार होती है और इंग्लैंड के पास बेहतरीन बल्लेबाजों की पूरी जमात है। इसके अलावा बेन स्टोक्स भी संन्यास का फैसला वापिस लेकर लौट आये हैं। घुटने की दिक्कत के कारण वह भले ही बतौर गेंदबाज उतना योगदान नहीं दे सकेंगे लेकिन बड़े मैचों में वह कमाल करने में माहिर हैं। पिछले दो विश्व कप फाइनल (2019 और 2022) में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है।

उनके अलावा इंग्लैंड के कप्तान लियाम लिविंगस्टोन, जॉनी बेयरस्टॉ, हैरी ब्रूक, डेविड मलान और जो रूट जैसे बल्लेबाज भी हैं। इन सभी को आईपीएल में खेलने का फायदा मिलेगा। मोईन अली, क्रिस वोक्स और सैम कुरेन के रूप में उनके पास बेहतरीन हरफनमौला भी हैं।

गेंदबाजी में मार्क वुड के पास रफ्तार और आईपीएल का अनुभव है। स्पिन का जिम्मा आदिल रशीद संभालेंगे। इंग्लैंड को 2019 विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले जोफ्रा आर्चर की कमी खलेगी जो चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। वह रिजर्व के रूप में टीम में हैं। दूसरी ओर विलियमसन और साउदी के अनुभव की न्यूजीलैंड को कमी खलेगी लेकिन लगातार अच्छा प्रदर्शन करने से उसके हौसले बुलंद होंगे। न्यूजीलैंड टीम 2015 और 2019 वनडे विश्व कप तथा 2021 टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची।

डेरिल मिशेल फॉर्म में हैं और शीर्षक्रम पर डेवोन कोंवे जैसा बेहतरीन बल्लेबाज है। कार्यवाहक कप्तान टॉम लाथम का खराब फॉर्म हालांकि चिंता का सबब है। उनके पास जिम्मी नीशाम और ग्लेन फिलिप्स जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। विल यंग ने इस साल वनडे में 14 मैचों में 578 रन बनाये और तीसरे नंबर पर वह काफी उपयोगी साबित हो सकते हैं। गेंदबाजी में टीम को साउदी की कमी खलेगी लेकिन मैट हेनरी, ट्रेंट बोल्ट और लॉकी फर्ग्युसन टीम में हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), जो रूट, जॉनी बेयरस्टॉ, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, बेन स्टोक्स, मोईन अली, क्रिस वोक्स, सैम कुरेन, डेविड विली, आदिल रशीद, मार्क वुड, रीसे टॉपली, गुस एटकिंसन।

न्यूजीलैंड : टॉम लाथम (कप्तान और विकेटकीपर), डेवोन कोंवे, विल यंग, केन विलियमसन (पहले मैच में उपलब्ध नहीं), मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनेर, ईश सोढी, टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी।

मैच का समय : दोपहर दो बजे से।

भारत ने एशियाई खेलों में सर्वाधिक पदक के अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा

नई दिल्ली। भारतीय दल ने बुधवार को यहां एशियाई खेलों में पदकों के लिहाज से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पिछले खेलों में 70 पदक के आंकड़े को पीछे छोड़ा। भारत का पदक के लिहाज से पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जकार्ता और पालेमबांग में हुए 2018 एशियाई खेलो में था जिसमें देश ने 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य पदक सहित कुल 70 पदक जीते थे।

भारत के पैदल चाल खिलाड़ियों मंजू रानी और राम बाबू ने बुधवार को 35 किमी मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता जिससे भारत ने 2018 खेलों में 70 पदक के आंकड़े की बराबरी की। ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेन्नम की कंपाउंड मिश्रित तीरंदाजी टीम ने इसके बाद स्वर्ण पदक के रूप में मौजूदा खेलों में भारत का 71वां

पदक जीता। भारत के मिशन प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा ने कहा, "मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि भारत ने एशियाई खेलों में पदक तालिका में 70 का आंकड़ा पार करके अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ अपनी छाप छोड़ी है और अभी और पदक आने बाकी हैं।" भारत ने एशियाई खेलों में अब तक का अपना सबसे बड़ा दल भेजा है और उसका लक्ष्य इस महाद्वीपीय प्रतियोगित में 100 पदक के आंकड़े को पार करना है। हांगझोउ एशियाई खेलों के लिए भारत ने 'अब की बार, सौ पार' नारा दिया है। भारत ने अभी 16 स्वर्ण, 26 रजत और 29 कांस्य पदक जीते हैं जबकि चार दिन की प्रतियोगिताएं बाकी हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 14 रन से हराया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने अपने प्रमुख बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से मंगलवार को यहां विश्व कप क्रिकेट अभ्यास मैच में पाकिस्तान को कड़े मुकाबले में 14 रन से हराकर अपनी तैयारियों का पुख्ता सबूत पेश किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 351 रन बनाए थे। उसकी तरफ से ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल (77) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 50) ने अर्धशतक जमाए। उनके अलावा डेविड वार्नर ने 48, मार्नस लाबुशेन ने 40 और जोश इंग्लिस ने 48 रन का योगदान दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम कप्तान बाबर आजम (90) और इफ्तिखार अहमद (83) की बड़ी अर्धशतकीय पारियों के बावजूद 47.4 ओवर में 337 रन पर आउट हो गई। इन दोनों के अलावा मोहम्मद नवाज ने 42 गेंद पर 50 रन की तेजतर्रार पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कामचलाऊ स्पिनर लाबुशेन ने 78 रन देकर तीन विकेट लिए। कप्तान पैट कमिंस और ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने दो-दो विकेट हासिल किए। पाकिस्तान विश्व कप में अपना पहला मैच हैदराबाद में ही छह अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा जबकि ऑस्ट्रेलिया अपने पहले मैच में आठ अक्टूबर को चेन्नई में मेजबान भारत का सामना करेगा।

आईसीसी विश्व कप 2023 में इन बल्लेबाजों पर रहेगी नजरें, रखते हैं मैच बदलने की ताकत

नई दिल्ली। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2020 की शुरुआत 5 अक्टूबर से होने वाली है। क्रिकेट की सबसे बड़े महाकुंभ को लेकर पूरे भारत समेत दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमी तैयार हैं। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप का पहला मुकाबला गुरुवार 5 अक्टूबर को गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट में बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग से लेकर हर पहलू बेहद खास रहने वाला है जिस पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी। इस टूर्नामेंट के दौरान कुछ बल्लेबाज ऐसे हैं जिन पर हर क्रिकेट प्रेमी की नजर रहेगी। यह बल्लेबाज ऐसे हैं जो अपने बल्ले के दम पर पूरे मैच का रुख बदलने की काबिलियत रखते हैं।

विराट कोहलीः भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज खिलाड़ी और स्टार बल्लेबाज से विराट कोहली इस टूर्नामेंट से पहले एशिया कप में अपना जलवा बिखेर चुके हैं। विराट कोहली

2011 की विजेता टीम का हिस्सा भी रहे हैं। इस टूर्नामेंट में विराट कोहली ने शतक जड़ा था। वर्ल्डकप में शतक लगाने वाले विराट सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी है। संभावना है कि 34 साल के विराट कोहली का यह अंतिम वर्ल्ड कप हो सकता है। ऐसे में विराट कोहली पर सभी की नजरें रहने वाली है।

बाबर आज़मः पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पर भी सभी की नजरे टिकी रहेंगी। दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में शुमार बाबर वार्म अप मैचों में अपने खेल का जलवा दिखा चुके है। दोनों मुकाबलों में बाबर आजम के बल्ले से धमाकेदार पारियां निकली है। ये पहला मौका है जब बाबर आजम भारत में बल्लेबाजी करेंगे। ऐसे में हर कोई उनकी बल्लेबाजी और कप्तानी देखने का इच्छुक है। माना जा रहा है कि बाबर की शानदार फॉर्म के कारण वो वर्ल्डकप में शतकीय पारी भी खेल सकते है। **रोहित शर्माः** भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा पिछले वर्ल्ड कप के हीरो सहित हुए थे। 2019में वर्ल्ड कप इंग्लैंड में खेला गया था जहां रोहित के बल्ले से पांच शतक निकले थे, जिसे देख पूरी दुनिया हैरान थी। रोहित शर्मा की आक्रामक बैटिंग और घरेलू मैदान पर उनसे कई बेहतरीन पारियां देखने को उम्मीद है।

स्टीव स्मिथः ऑस्ट्रेलिया के सीनियर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ का ये वर्ल्डकप अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है। इस विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टीव तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरेंगे। बीते दो वर्ल्ड कप के दौरान स्टीव ने शानदार बल्लेबाजी दिखाई है। भारत में खेले जा रहे विश्व कप में पूरे ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद होगी की स्टीव शानदार खेल दिखाएं। स्टीव का बल्ला भारतीय पिचों पर धमाके से रन उगलता है। स्टीव की खासियत है कि वो स्पिनर्स और तेज गेंदबाजों दोनों की ही खेलने में माहिर है। ऐसे में वर्ल्डकप के दौरान उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें टिकी होंगी।

बेन स्टोक्सः इंग्लैंड के शानदार खिलाड़ी बेन स्टोक्स ने विश्व कप के लिए अपने रिटायरमेंट से भी यू टर्न लिया है। स्टोक्स के लिए ये वर्ल्डकप बेहद अहम है। संभावना है कि वो चार नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। भारतीय पिचों पर खेलने का स्टोक्स को अच्छा अनुभव है। उनके खेल को देखने के लिए साथी खिलाड़ी और क्रिकेट प्रेमी उत्सुक है।

मैच बदलने की ताकत

नीरज के पहले थ्रो के मामले में अंजू ने चीन के अधिकारियों पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार खिलाड़ी ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के भाला फेंक स्पर्धा के दौरान पहला थ्रो को नहीं मापे जाने पर बड़ा विवाद पैदा हो गया है तथा अपने जमाने की दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जार्ज ने चीन के अधिकारियों पर 'धोखाधड़ी का प्रयास करने' और भारतीयों को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया। ऐसा लग रहा था कि चोपड़ा ने 85 मीटर की दूरी को पार किया है लेकिन हैरानी की बात यह रही कि अधिकारियों ने इसको रिकॉर्ड नहीं किया और बाद में उन्होंने इसका कोई कारण भी नहीं बताया। अपने चौथे प्रयास में स्वर्ण पदक सुनिश्चित करने वाले चोपड़ा ने पत्रकारों से कहा,"मैं नहीं जानता कि मेरा पहला थ्रो क्यों नहीं मापा गया। मेरे तुरंत बाद दूसरे और तीसरे प्रतियोगी के थ्रो की दूरी मापी गई। मैं यही पूछता रह गया कि

मेरे पहले प्रयास में क्या हुआ।"

उन्होंने कहा,"मैं असमंजस की स्थिति में था क्योंकि मैंने अब तक जितनी भी प्रतियोगिताओं में भाग लिया उनमें कभी ऐसा नहीं हुआ। मुझे लगता है कि वे उस स्थान को भूल गए जहां पर मेरा भाला गिरा

खिलाड़ी किशोर जेना का दूसरा थ्रो भी पहले अमान्य करार दिया गया था लेकिन बाद में फैसला बदल दिया गया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की सीनियर उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जार्ज ने अधिकारियों पर भारतीयों को जानबूझकर निशाना बनाने का आरोप लगाया।

अंजू ने कहा,"वह हमारे साथ धोखाधड़ी करने का प्रयास कर रहे थे और हमारे एथलीटों का ध्यान भंग करने की कोशिश कर रहे थे। नीरज का पहला थ्रो शानदार था और यहां गड़बड़ी करने का प्रयास था। हमने नीरज से वहीं पर विरोध दर्ज करने के लिए कहा। जेना का थ्रो भी फाउल दिया गया जबकि उसने एक फुट पीछे से भाला फेंका था।" उन्होंने कहा,"चीन में जीत दर्ज करना बहुत मुश्किल है भले ही हम अपने सर्वश्रेष्ठ एथलीटों को

ओजस देवताले-ज्योति ने कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजों ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस देवताले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को यहां फाइनल में दक्षिण कोरिया की जोड़ी को हराकर कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। मौजूदा खेलों में भारत के चार पदक हो गए हैं जो इंचियोन 2014 में एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल तीन पदक के देश के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर है।

फाइनल में 21 साल के विश्व चैंपियन देवताले ने एक अंक गंवाया लेकिन ज्योति ने अपने आठ तीर में 'परफेक्ट' स्कोर के साथ भारत की जीत की नींव रखी। शीर्ष दो वरीयता प्राप्त जोड़ियों के बीच हुए फाइनल में शीर्ष वरीय भारतीय जोड़ी ने बेहद रोमांचक और करीबी मुकाबले में जो चेइवोन और जू जेइहून की जोड़ी को 159-158 से हराया।

सेमीफाइनल और फाइनल के रूप में लगातार तीन नॉकआउट मुकाबले खेलना मुश्किल हो सकता है लेकिन भारतीय जोड़ी विशेषकर 27 साल की ज्योति ने अहम लम्हों पर

शानदार प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक सुनिश्चित किया। भारतीय जोड़ी ने इन तीन मुकाबलों में सिर्फ चार अंक गंवा जो उनके दबदबे को दर्शाता है। देवताले ने जीत के बाद कहा,"मैं इस नतीजे से हैरान नहीं हूं।" उन्होंने कहा, "हमें पता था कि हम ऐसा कर सकते हैं। यह काफी करीबी था लेकिन हमने अपनी फॉर्म बरकरार रखी, हमने प्रत्येक स्थिति में धैर्य बनाए रखा।" भारतीय जोड़ी ने इससे पहले सेमीफाइनल में आदेल झेशेनबिनोवा और आंद्रे और 159-154 से जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। ज्योति और देवताले ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की जोड़ी को 158-155 से हराकर सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की थी। कजाखस्तान की चौथी वरीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड को 154-152 से हराया था। स्वर्ण पदक के मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने पहले चरण में चारों तीर 10 अंक पर मारकर कोरियाई जोड़ी पर 40-39 की बढ़त बनाई। दूसरे चरण में हालांकि कोरियाई जोड़ी ने चार बार 10 अंक जुटाए। भारतीय जोड़ी भी चारों निशाने 10 अंक पर मारकर 80-79 की बढ़त बनाने में सफल रही। तीसरे चरण में ओजस का एक तीर नौ अंक पर जाकर लगातार जबकि बाकी सभी खिलाड़ियों ने 10 अंक बनाए जिससे मुकाबला 119-119 से बराबर हो गया। भारतीय तीरंदाजों ने अंतिम चरण में चार बार 10 अंक जुटाकर जीत सुनिश्चित की। फाइनल में नौ अंक बनाने के बाद देवताले ने अपना मनोबल बढ़ाने का श्रेय मिला।

ड्रैगन के धोखे का शिकार हुए नीरज चोपड़ा, 87 मीटर थ्रो को कर दिया रद्द

नई दिल्ली। जेवलिन स्टार नीरज चोपड़ा ने हांगझोउ में चल रही एशियन गेम्स में भारत को गोल्ड मेडल जिताया है। लेकिन इस स्पर्धा में नीरज चीनी धोखे का शिकार हुए। भारतीय जेवलिन स्टार नीरज चोपड़ा ने हांगझोउ में चल रही एशियन गेम्स में भारत को गोल्ड मेडल जिताया है। लेकिन इस स्पर्धा में नीरज चीनी धोखे का शिकार हुए। जेवलिन स्पर्धा के फाइनल मुकाबले में उतरे नीरज ने पहली थ्रो करीब

87 मीटर की फेंकी थी लेकिन चीनी मैनेजमेंट ने इसे तकनीकी खामी के कारण रद्द कर दिया। इतने बड़े इवेंट में ये तकनीकी के कारण की बात किसी को भी नहीं पच रही है। इसी मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, चीनी धोखे के कारण नीरज को एक बार फिर से थ्रो करना पड़ा जो कि पहले से कम था। इस बार उन्होंने 82.38 मीटर थ्रो ही फेंका। सोशल मीडिया पर चीनी प्रबंधन के खिलाफ फैंस ने जमकर अपनी भड़ास निकाली है। फैंस इस हद तक नाराज थे कि, उन्होंने रैफरी को सस्पेंड करने की मांग कर डाली। बता दें कि, सिर्फ नीरज ही नहीं बल्कि ऐसा ही धोखा सिल्वर मेडलिस्ट किशोर कुमार जेना के साथ भी हुआ। दरअसल, जेना ने पहला अटैम्प 81,26 का फेंका था जिससे वह दूसरे स्थान पर आ गए। लेकिन जेना का दूसरा थ्रो फाऊल करार दिया गया उन्हें रेफरी की तरफ से रेड कार्ड दिया गया। जेना फिनिशिंग लाइन से दूर थे, ऐसे में किन वजहों के चलते उनका थ्रो वैध नहीं माना गया, इस पर खूब विवाद हुआ। इस दौरान नीरज ने भी जैना का बखूबी साथ दिया है। बहरहाल, आखिर में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड और किशोर जैना ने सिल्वर मेडल जीतकर अपना लोहा मनवाया है।

शतरंज में भारतीय महिला टीम ने उज्बेकिस्तान को 4-0 से हराया, पुरुष टीम ने चीन से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली।भारतीय महिला टीम ने बुधवार को एशियाई खेलों की शतरंज टीम प्रतियोगिता के छठे दौर में उज्बेकिस्तान को 4-0 से हराया, जबकि पुरुष टीम ने चीन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने चीन के खिलाफ चारों बाजियां ड्रॉ खेली। देश के शीर्ष खिलाड़ी डी गुकेश ने वेई यी से, आर प्रज्ञानानंदा ने जियांगझी बू से, विदित गुजराती ने क्यून मा से और पी हरिकृष्णा ने जियानग्यु जू से ड्रॉ खेला। भारत 9 अंक लेकर दूसरे स्थान पर बना हुआ है। ईरान 10 अंक के साथ शीर्ष पर काबिज है। इस बीच महिला टीम ने पिछले दौर में चीन से मिली हार के बाद शानदार वापसी की और अपनी चारों बाजियां जीती। कोनेरू हम्पी ने शीर्ष बोर्ड पर निलुफ़र याक्कुबेवा को आसानी से हराया।इसके बाद आर वैशाली, वंतिका अग्रवाल और बी सविता श्री ने भी अपनी बाजियां जीती। वैशाली ने उमिदा ओमोनोवा को, अग्रवाल ने अफरूजा खामदामोवा को और सविता श्री ने मड्डना बोबोमुरोडोवा को हराया। भारतीय टीम के अब 8 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर है। शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन 9 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् गोहद जिला भिण्ड (म.प्र.)

mail:- cmogohad@mpurban.gov.in Add- Fort Road, Ward No.14, Gohad, District Bhind (M.P)

क्रमांक / न.पा/ लो.नि. / 2023 / 1326 गोहद, दिनांक 05 / 10 / 2023

/ / संक्षिप्त ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना / /

एतद द्वारा केन्द्रीयकृत पंजीयन व्यवस्था के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत समस्त ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नगर पालिका परिषद गोहद के अंतर्गत कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक ठेकेदार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिनांक 02 अगस्त 2021 से प्रभावी ISSR (भवन, रोड, पेयजल) व आज दिनांक तक संशोधित सहित निविदा प्रपत्र अपेन्डिक्स 2.10 पर प्रतिशत दरों के आधार पर ऑनलाईन निविदाएं प्रकाशन दिनांक से दिनांक 07.11.2023 को सायं 6:30 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्र.	NIT क्रमांक व दिनांक	टेण्डर नम्बर
1	क्रमांक / न.पा./ लो.नि./2023/1286 दिनांक 03.10.2023	2023_UAD_315043_1

कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर एवं कार्यालयीन समय में लोक निर्माण शाखा में देखी जा सकती है। निविदा में किया गया कोई भी संशोधन उक्त वेबसाईट पर किया जावेगा, जिसका पृथक से कोई भी प्रकाशन नहीं किया जावेगा। अतः सम्बंधित जानकारी उक्त वेबसाईट पर ही देखी जाये।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् गोहद
जिला भिण्ड (म.प्र.)

भीड़ का आकर्षण प्रेमनाथ

मुम्बई। भाई मान गये इस आदमी को यह बहुत अच्छी तरह जानता है कि भीड़ को कैसे आकर्षित किया जाये? मैं जब भी कही सड़क पर भीड़ देखता हूं तो ज्यादातर भीड़ होने का कारण कोई और स्टार न होकर प्रेमनाथ ही होता है। पहले भी कई बार लिख चुका हूं कल फिर एक अजीब तमाश... प्रेमनाथ अपनी लाल रंग की कनवर्टिबल कार में बान्द्रा क्रॉसिंग के पास पैट्रोल पम्प पर पैट्रोल डलवा रहा था। गाड़ी में दो फकीर, दो सुंदर औरतें मद्रासी अभिनेता रंजन, एक खाकी वर्दी में उनका बॉडी गार्ड और

ड्राइवर था। पैट्रोल डलवा कर जैसे ही गाड़ी सड़क पर आने को हुई कि प्रेमनाथ ने एक चना बेचने वाले को देखा और गाड़ी रूकवा दी। प्रेमनाथ का चना खाने का मूड हो गया था। बॉडीगार्ड बड़ी मुश्किल से खड़ा हो पाया। एक रूपया निकाल कर चना खरीदने लगा। इतने में कुछ भिखारी बच्चे इकट्ठे हो गये।वही भी मांगने लगे। फिर क्या था प्रेमनाथ दानी कर्ण की भांति सबको चना लेकर देने लगे भिखारियों की भीड़ बढ़नी शुरू हो गई। इधर मैं बोर होता हुआ अपनी गाड़ी निकाल कर ले गया।

लाख कोशिशों के बाद भी अमिताभ बच्चन के लिये अपना प्यार नहीं छिपा पाई रेखा!

मुम्बई। अमिताभ बच्चन और रेखा ने कई फ.िल्में एक साथ की, जिसे दर्शकों ने ख़ूब सराहा भी। रियल लाइफ़ का पता नहीं पर हां रील में इस जोड़ी ने दर्शकों का दिल ज़रूर जीत लिया था। वैसे मानों न मानों पर दोनों ही स्टार्स के बीच कुछ तो ख़ास रहा होगा, वरना यूं ही हर जगह इनके इश्क के चर्चे नहीं हो रहे होते। कहते हैं सच्ची मोहब्बत कभी ख़त्म नहीं होती और जो ख़त्म हो जाये वो मोहब्बत नहीं होती। ऐसी ही मोहब्बत सदाबहार अभिनेत्री रेखा और अमिताभ की भी है। अमिताभ बच्चन-रेखा दोनों ही बॉलीवुड का बड़ा नाम है और अकसर ही इनकी प्रेम कहानियों के किस्से चर्चा का विषय बने होते हैं। हांलाकि, अमिताभ बच्चन ने कभी रेखा के प्रति अपना प्यार स्वीकारा हो न

हो, पर रेखा लाख कोशिशों के बावज़ूद अपना प्यार नहीं छुपा पाई।

दरअसल, आजकल चारों ओर रेखा के एक इंटरव्यू की ख़ूब बातें की जा रही हैं। ये इंटरव्यू सिमी ग्रेवाल के टॉक शो में लिया गया था। इस टॉक शो में जब रेखा से उनके और बच्चन साहब के रिश्ते के बारे में बात की गई, तो उन्होंने सादगी और निडरता से इस बात का जवाब दिया। रेखा ने इंटरव्यू में कहा कि वो अमिताभ बच्चन को खुद के लिये प्यार करती है, न कि दूसरों को दिखाने के लिये। रेखा ने ये भी कहा कि कई लोग उन्होंने अमिताभ के लिये पागल बोलते है, पर इन बातों से उन पर कोई फ़र्क नहीं पड़ता। इतना ही नहीं कहा ये भी जाता है कि रेखा और अमिताभ बच्चन ने गुपचुप तरीके से शादी रचाई थी। यही वजह है कि आज भी रेखा की मांग पर लाल सिंदूर देखा जाता है। रेखा किसी भी पार्टी में पहुंचे माथे पर बिंदी और सिंदूर ज़रूर होता है। हांलाकि, दोनों की शादी की सच्चाई अब तक सबके लिये एक रहस्य बनी हुई है, जिसके बारे में सिर्फ. अमिताभ और रेखा ही जानते हैं। यही नहीं, अमिताभ और रेखा की बढ़ती नज़दकियों की वजह से ही जया बच्चन परेशान रहने लगी थी, जिसके बाद अमिताभ ने अपनी शादी बचाने के लिये रेखा से दूरी बना ली। अमिताभ बच्चन और रेखा ने कई फिल्में एक साथ की, जिसे दर्शकों ने ख़ूब सराहा भी। रियल लाइफ़ का पता नहीं पर हां रील में इस जोड़ी ने दर्शकों का दिल ज़रूर जीत लिया था। वैसे मानों न मानों पर दोनों ही स्टार्स के बीच कुछ तो ख़ास रहा होगा, वरना यूं ही हर जगह इनके इश्क के चर्चे नहीं हो रहे होते। अब जो भी है सबके सामने ही है, क्योंकि इश्क छिपता नहीं छिपाने से।

मजबूर अभिनेता का नाम-नवीन निश्चल

मुम्बई। अभिनेता नवीन निश्चल की इतनी मार्केट नही है और उनकी वो मैं नहींक के बाद फिर कोई फिल्म नही चली मेरे सजना और मोन्टो जैसी फिल्में बुरी तरह पिट गई। लेकिन फिर भी वह अपनी कीमत कम नही करते उनके पास कोई न कोई निर्माता फंस जाता है क्योंकि हमारी फिल्म लाइन में नवीन ही एक ऐसा हीरो है जिसके पास समय हैं। डेटस हैं बाकी सब हीरो दो-दो या तीन-तीन शिफ्टें करते है अगर कोई निर्माता उन्हें साइन करने जाता है तो साल भर से पहले डेट नही मिलती इसलिए जो निर्माता फिल्म जल्दी शुरू करना चाहता है, वह मज़बूर होकर नवीन निश्चल के पास जाता है और नवीन यह अच्छी तरह जानते हुए कि यह लोग इसलिए मेरे पास आये है क्योंकि किसी और हीरो से समय नही मिला। अपने दाम बढ़ाकर बताता है। जिससे निर्माता मजबूर हो जाता है। फिर कुछ न कुछ तो उनका नाम है ही। वैसे में अपने दृष्टिकोण से यह कहूं कि नवीन और हीरो लोगों की ठुकराई हुई फिल्मे लेता है तो वह बुरा मानेगा हालांकि यह बात कहना गलत नही होगा।नवीन आजकल अमेरिका गए हुए है एक फिल्म की शूटिंग के लिए । इस फिल्म के निर्माता वहीं के है। रीना रॉय भी इस फिल्म में है पहले यह लोग 5 अगस्त को जाने वाले थे स्क्रिप्ट गड़बड़ हो जाने की वजह से यह लोग न जा सके। नवीन के पास टिकट आ गया था। उसने सोचा कहीं ट्रिप कैंसल न हो जाए समय तो था ही इसलिए चल दिया खर्चा तो वहां पर निर्माता संभालेंगे ही इस फिल्म में नवीन के साथ राकेश रोशन थे। 5 अगस्त को यूनिट जा ना सकी, तो उसके पास डेटस नहीं थी। क्योंकि वह साइड हीरो के तौर पर बहुत बिज़ी है निर्माता के आदमी मजबूर होकर विनोद मेहरा के पास पहुंचे विनोद मेहरा झट से मान गया।

जारी है परिणीति चोपड़ा की बैटमिंटन ट्रेनिंग जल्द शुरु होगी फिल्म 'साइना' की शूटिंग!

मुम्बई। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अभी तक 'साइना' फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं की है। दरअसल अभिनेत्री अभी भी बैटमिंटन खेलना सीख रही है। दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की बायोपिक फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहीं अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा किरदार में ढलने के लिए परिणीति इन दिनों बैटमिंटन पर हाथ साफ कर रही हैं।

फिल्म 'इश्कजादे' की अभिनेत्री किरदार के साथ न्याय करने के लिए कोर्ट और कोर्ट के बाहर साइना के हावभाव, बॉडी लैंग्वेज को समझने की कोशिश कर रही हैं। इसके पहले एक बार इंटरव्यू में परिणीत ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह कई-कई घंटे तक साइना के मैच के वीडियो देखकर उनका स्टाइल ऑब्जर्व कर रही है।

लगता है कि अब साइना के वीडियोज देखने के बाद परिणीति मैदान में आकर अपने आप को साइना की तरह बनाने की कोशिश में हैं। गुरुवार को अभिनेत्री ने बताया कि इस बायोपिक की शूटिंग अक्टूबर से शुरू होगी।

परिणीति ने ट्वीट किया, 'हमनें अभी तक 'साइना' फिल्म की शूटिंग की शुरुआत नहीं की है। मैं अभी भी बैटमिंटन खेलना सीख रही हूं। हम इसकी शुरुआत अक्टूबर से करेंगे, एक बार मैं इसमें दक्ष हो जाऊं। बस चार महीने बाकी हैं।'

ज्ञात हो कि साइना नेहवाल की बायोपिक में पहले श्रद्धा कपूर को लेने की बातचीत चल रही थी। फिल्म का निर्देशन अमोल गुप्ते करने वाले हैं।इसके अलावा परिणीति, सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ 'जबरिया जोड़ी' में नजर आएंगी, जो 2 अगस्त को रिलीज होगी।

मुझे डर लगता है जब समीक्षक मेरी फिल्मों पर अच्छी प्रतिक्रिया देते हैः सलमान खान

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता सलमान खान का कहना है कि उनके लिए किसी अच्छी फिल्म का प्रमाण पूरी तरह से बॉक्स ऑफिस की कमाई पर निर्भर करता है लेकिन जब समीक्षक उनकी फिल्मों की प्रशंसा करते है, तो उन्हें डर लगने लगता है। 2009 में आई "वांटेड", फिर उसके बाद "दबंग" के साथ अपने करियर में एक नये मुकाम को छुने वाले अभिनेता ने कहा कि लोगों की स्वीकृति ही उनके लिए अंतिम फैसला है। "मेरी फिल्मों की मान्यता बॉक्स ऑफिस पर हुई कमाई से होती है कि फिल्म लोगों को पसंद आयी या नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी (आलोचक) ने इसे इतने सारे तारे

(रेटिंग) दिए या फिल्म का मज़ाक उड़ाया।' सलमान ने एक सामूहिक साक्षात्कार में कहा, "यह उनकी रोजी-रोटी है। अल्लाह उनसे खूश हों और उन्हें दो और रोटी दें।" उन्होंने कहा, "मैं चाहता हूं कि लोग थिएटर के अंदर जाएं और अपने जीवन को कुछ देर भूलकर पूरी तरह से फिल्म का आनंद लें।"

पिछले हफ्ते ईद पर रिलीज हुई सलमान खान (53) की फिल्म "भारत" को दर्शकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

फिल्म में उनके अलावा जैकी श्रॉफ, कैटरीना कैफ, सुनील ग्रोवर और दिशा पटानी भी है। अभिनेता ने कहा कि यह उनके लिए "सबसे बढ.िया ईदी" है जो उनके प्रशंसकों ने उन्हें दिया है। उन्होंने कहा, "मैं बहुत खुश हूं कि यह फिल्म वास्तव में अच्छा कर रही है और हर किसी के काम की सराहना की जा रही है...हर फिल्म की सफलता बहुत महत्वपूर्ण होती है।"

कंगना रनौत ने बहन रंगोली के साथ आजमाया बागवानी में हाथ

मुम्बई। बॉलीवुड की क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस कंगना रनौत इन दिनों लोगों को सप्राइज करने का काम कर हैं। बीते दिनों चुनाव के रिजल्ट आने पर पकौड़े बताने दिखीं कंगना अब बागवानी में हाथ आजमाती नजर आ रही हैं। जी हां! हाल ही में अपने ट्विटर एकाउंट पर कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें इन दोनों बहनों का नया ही रूप नजर आ रहा है। वैसे तो कंगना की बहन रंगोली का नाम अक्सर किसी न किसी विवादित बयान या ट्वीट को लेकर सामने आता है लेकिन इस बार यह बहनों की जोड़ी काफी कूल अंदाज में दिख रही है। रंगोली ने अपने सोशल मीडिया पर यह गार्डनिंग करते हुए तस्वीर शेयर करके सबको चौंका दिया है। इस वीडियो के साथ रंगोली ने जो कैप्शन दिया है उससे जाहिर हो रहा है कि यह काम कंगना का नया शौक नहीं बल्कि पुराने प्यार है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'हमने अपना पूरा दिन केवल और केवल सच्चे प्यार को समर्पित किया...इस वीडियो को अपने दोस्तों के लिए यहां ट्विटर्र्ह पर रिकॉर्ड किया।' इस कैप्शन से जाहिर हो रहा है कि गार्डनिंग से इन बहनों का लगाव काफी पुराना है। बता दें कि कंगना इन दिनों अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना रही हैं। जल्द ही उनकी आगामी फिल्म 'मैंटल है क्या' का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। वहीं इसके बाद वह फिल्म 'पंगा' में कबड्डी प्लेयर की भूमिका में नजर आने वाली हैं।

वाह रे कन्हैया लाल

मुम्बई। वाह रे कन्हैयालाल, क्या अंदाजे-बयां है। जब भी आप पर्दे पर आते है कुछ ऐसा रंग जम जाता है कि धुले नही धुलता। चरित्र-नायक और खलनायक तो बहुत हुए है और आगे भी होंगे, पर आप में जो अदाएं है, वे भुलाये भूली नही जाती। वाह रे, कन्हैयालाल! अब बूढ़े हो रहे हो पर अभिनय में अभी भी वैसी ही तरंग, वैसी ही जवानी, वैसी ही ताज़गी, वैसी ही उमंग है जिसकी छाप मिटाये नही मिटती। कन्हैयालाल जी, आप तो पूरे बनारसी है यदि आपके रूप-रंग, चाल-ढ़ाल हाव-भाव को देखकर हम आपको कन्हैयालाल बनारसी कहें तो ज्यादा अच्छा लगेगा। बनारसीपान की तरह आपके रोल भी विख्यात हो गये हैं। तीन दशक से अधिक समय से आप कंजूस सेठ, कठोर साहूकार, बदमाश मुनीम, लालची बनिया, चालाक नौकर, बेईमान पोस्टमेन, झूठे गवाह, गांव में फूट की आग लगाने वाले विभीषण की और न जाने कितनी भूमिकाएं कर चुके हैं और कर रहे हैं और भगवान करे आगे भी करते रहें। आपके भोलेपन के नीचे दबा खलनायक अंगार की तरह धधक रहा है और चरित्र-चित्रण की तरह चमक रहा है।अब तक आपने जो भी रोल किये, अपनी-अपनी अदाओं के साथ जमकर उदाहरण बन गये। आज तो हाल यह है कि पर्दे पर धोती कुर्ता, गंजी या गंवाई जाकेट, साफा या गंवाई टोपी, हाथ में छड़ी या छाता धारण किये मूंछोवाली कोई छाया भी नज़र आ जाये तो दर्शक आपको पहचान कहेंगे ये तो कन्हैयालाल है फिर भी आश्चर्य की बात है कि आपके अभिनय में एड़ी से चोटी तक खालिस भूमिकाएं पसंद की जाती है। किसी ने कहा असली बनारसी ठग हैं तो कन्हैयालाल ही, जो हर भूमिका में अपना रूप रंग और हाव-भाव बदल कर दर्शकों को ठग लेते हैं।वस्तुतः देखा गया है कि आप एक्टिंग के लिए एक्टिंग नहीं करते बल्कि उसे जिंदगी का रस समझकर पात्र के चरित्र को बारीकी के साथ पेश करने की पूरी कोशिश करते हैं। यही वजह है कि चलने में, उठने में, हंसने में, आंखे मटका कर बातें करने में, चुटियां लटका कर गंवाई भोलेपन के साथ बातें करने में किसी

को फंसाने के लिए जाल रचने की क्रिया में, यहां तक कि हंसने और खांसने तक में आपका मैनेरिज़्म कुछ इस तरह का होता है कि रोल में जान आ जाती है। वैसे आपके रोल बंधे-बंधाये रहते हैं और जब परदे पर आपका नाम आता है तो दर्शक कुछ कुछ समझ जाते है कि आप क्या बनने वाले है फिर भी उन सीमाओं में भी आपने अपनी भूमिकाओं को बासी नही होने दिया वर्ना अब तक टाइप्ड होकर महत्वहीन हो जाते। आप एक बार नही अनेक बार मुनीम बने हैं पर हर बार कुछ अलग हटकर दिखायी दें ऐसा प्रयास किया है आपने। यही वजह है कि आप मुनीम, सेठ, पुजारी, चोर, उचक्का, लफंगा, ठग बदमाश, होशियार, चुस्त तेज तरार्र, ग्रामीण और शहरी उस्ताद कुछ भी बन सकते है और बनकर दर्शकों को प्रभावित भी कर सकते है। पर हां कुछ लोग कहते हैं कि कन्हैयालाल कभी-कभी सीन में नाटकीय हो जाते है। कुछ यह भी कहते हैं कि वे अपनी भूमिकाओं में कुछ लाउड रहते है जहां हल्का टोन चाहिये, वहां भी वे तेज हो जाते हैं। जोर से बोलते हैं, चीखते चिल्लाते हैं, इस समीक्षा के बारे में वे बोले कि मेरे रोल ही हाइपिच वाले होते हैं। उनके कैरेक्टर में ही ड्रामा रहता है। आपने खुद आम जिंदगी में देखा होगा कि कुछ लोग इसी तरह रहते हैं जैसे वे ड्रामा खेल रहे हों। मैंने ऐसे साहूकारों को देखा है जो दिन रात बक बक करते रहते हैं। गांव में तो हर व्यक्ति अपनी टोन को ऊंचा रखता है ताकि उसका असर बना रहे। इस वजह से मैं उन भूमिकाओं को बनाने के लिए कभी-कभी लाउड रहता हूं करैक्टर का टैम्परैचर बराबर नही रहेगा तो उसे कौन ठीक से समझ पाएगा? पर हां जान-बूझकर नाटकीय बन कर किसी सीन में हावी होने की कोशिश कभी नही करता और न कभी करूंगा।कन्हैयालाल है जो अपने डायलॉग के साथ कुछ ऐसा तकियाकलाम निकाल लेते है जिसकी वजह से वह रोल कई दिनों तक याद रहता है। कभी कभी वे एक्टिंग करते हुए इस तरह मुहावरेदार डायलॉग (जो अक्सर वे खुद सहज भाव से बना लेते है और निर्देशक से जिसकी स्वीकृति पा लेते है) बोल लेते है कि वे तीर की तरह असर करते है। गंगा जमुना में राम बचाये कल्लू को अंधा करदे लल्लू कोव यह डायलॉग उन्होंने इस तरह बोला कि उसके बाद कई दिनों तक कन्हैयालाल कहीं भी दिखायी पड़ते, परदे पर या परदे के बाहर तो दर्शक उस डायलॉग को बोलकर ही उनका अभिनंदन करते। ताकियाकलाम के और मुहावरेदार डायलॉग के उस्ताद कन्हैयालाल कवि भी है, कथाकार भी है पर आश्चर्य इस बात का है कि पूरे बनारसी पंडे और पंडित होने के बाद भी फिल्मों में उनका अब तक सही उपयोग नहीं हुआ है। वैसे वे मुफ्त दवा की तरह अपने आइडिया बांटते रहे हैं पर उसका धंधा नही किया इसलिए अपनी सीमाओं में ही बंधे-बंधाये रह गये।

शेफाली शाह ने आखिर क्यों ठुकराई थी 'कपूर एंड सन्स' और 'नीरजा' फिल्म?

मुंबई। अभिनेत्री शेफाली शाह ने कहा है कि उन्होंने 'कपूर एंड सन्स' और 'नीरजा' में भूमिका निभाने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। इंस्टाग्राम पर बृहस्पतिवार को प्रशनेत्तरी सत्र के दौरान 48 वर्षीया अदाकारा से उनके एक प्रशंसक ने पूछा कि वह कौन सी फिल्म थी जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था और वह बाद में हिट हो गई थी। इस पर शाह ने जवाब दिया, 'ऐसी बहुत सी फिल्में थींष्ठ कपूर एंड सन्स, नीरजा।' शाह को 'सत्या', 'वक्तः द रेस अगेंस्ट टाइम', 'दिल धड़कने दो' जैसी फिल्मों में यादगार भूमिका अदा करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा निभाए गए सबसे पसंदीदा किरदार 'दिल्ली क्राइम' श्रृंखला में 'वर्तिका चतुर्वेदी' और फिल्म 'वन्स अगेन' में 'तारा' की भूमिका है। शाह आगामी श्रृंखलाओं 'ह्यूमन' और 'दिल्ली क्राइम 2' में नजर आएंगी।

पंजाब के मशहूर लोक गायक अभिनेता : गुरदास मान

मुम्बई। पंजाबी गायकी का सम्राट कहा जाता है। गुरदास मान का जन्म 4 जनवरी 1957 को पंजाब के मुक्तसर जिले में स्थित गिद्दड़बाहा नामक कस्बे में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा मलोट में हुई तथा उच्च शिक्षा के लिए ाप पटियाला आ गए। पटियाला के नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ स्पोर्टस (एन आई एस) से डिग्री ली।एक बार जनवरी 2001 को रोपड़ के पास तथा जनवरी 2007 में वे हरियाणा के करनाल जिले के बस्तारा गांव के निकट एक और वाहन दुर्घटना के शिकार हुए जिसमें वह घायल हो गए।सितम्बर 2010 में ब्रिटेन के वोल्वरहैम्टन विश्वविद्यालय ने पंजाबी गायक गुरदास मान को विश्व संगीत में डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। मान के साथ इस सम्मान को पाने वालों में सर पॉल मैककार्टने, बिल कॉस्बी और बॉब डायलन थे।14 दिसम्बर 2012 को उन्हें पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के 36वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने डाक्टर आफ लिटरेचर की मानद उपाधि से सम्मानित किया।गुरदास मान जागरण प्रकाशन लिमिटेड के पंजाबी भाषा के समाचार पत्र पंजाबी जागरण के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। 1 अगस्त 2013 को चंडीगढ़ में वे अपनी नई पंजाबी म्यूजिक एल्बम रोटीक रिलीज करने पहुंचे।

यह पूछने पर कि उन्हें इस एलबम का कौन सा गाना सबसे अच्छा लगता है, उन्होंने कहा - मेरी इस म्यूजिक एल्बम में आठों गीत मेरे लाडले बच्चों की तरह है। जैसे एक मां को अपने सभी बच्चे अच्छे लगते हैं, वैसे ही मुझे ये सभी गीत.जल्द ही वह एक पंजाबी फिल्म पंजाबिये ज़ुबाने करने जा रहे हैं, जिसे उनकी पत्नी मनजीत मान डायरेक्ट करेंगी। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल जून तक शुरू हो जाएगी। गुरदास मान के किसी प्रशंसक का ढाबा, राष्ट्रीय राजमार्ग 22 पर, चंडीगढ़ के निकट। इससे गुरदास मान की प्रसिद्धि का अनुमान लगाया जा सकता है।पंजाबी गायकी का सबसे बड़ा स्टार होने के बावजूद भी स्टारडम या घमंड मान साहब को छू भी नहीं पाया है। छोटे छोटे गांवों में भी धार्मिक अनुष्ठानों, मेलों आदि में वे अक्सर गाया करते हैं। वे नकोदर स्थित डेरा बाबा मुराद शाह ट्रस्ट के चेयरमैन भी हैं। इस ट्रस्ट की ओर से उत्तराखण्ड में जून 2013 में आई बाढ़ के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में उन्होंने 11 लाख रूपये का दान दिया।9 जनवरी 2001 को रोपड़ के पास एक भयानक हादसे में मान बाल बाल बचे किंतु इनके ड्राईवर तेजपाल की मृत्यु हो गई। वे उसे अपना अच्छा दोस्त भी मानते थे, उसे समर्पित करते हुए उन्होंने एक गाना भी लिखा व गाया - बैठी साडे नाल सवारी उतर गयीक।मान साहब के व्यक्तित्व का अंदाजा इस घटना से लगाया जा सकता है। म्यूजिक एल्बम रोटीक की रिलीज पर म्यूजिक वीडियो डायरेक्टर - म्यूजिक डायरेक्टर जतिंदर शाह से जब गुरदास मान के साथ के अनुभव के बारे में पूछा गया तो वह इतने इमोशनल हो गए कि उनकी आंखें भर आई और वह चुप हो गए। तब गुरदास मान अपनी सीट से उठकर आए और जतिंदर को गले से लगा लिया।

लिंगुसामी की फिल्म में आर माधवन बनेंगे खुंखार खलनायक? एक्टर का आया ये जवाब

मुम्बई। एक्टर आर माधवन पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर उनके द्वारा निर्देशक लिंगुसामी के साथ काम करने की खबरें वायरल होने के बाद चर्चा में हैं। यह अफवाह है कि राम पोथिनेनी के साथ लिंगुसामी की आगामी फिल्म में माधवन को विलेन की भूमिका निभाने के लिए साइन किया गया था। लगातार वायरल हो रही इस खबर को लेकर आर माधवन ने अपनी चुप्पी तोड़ी और इस तरह की सभी खबरों को खारिज कर दिया।

इरुधि सुत्रु अभिनेता ने अफवाहों को खारिज करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया और कहा कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। हाल ही में, निर्देशक लिंगुसामी ने घोषणा की कि वह राम पोथिनेनी के साथ एक तमिल और तेलुगु द्विभाषी फिल्म करेंगे। अफवाहें थीं कि अरुण विजय और माधवन को फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए मना लिया गया है। हालांकि माधवन ने ट्वीट कर इस तरह की अफवाहों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने शनिवार को ट्विटर पर कहा कि अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। उनके ट्वीट में लिखा था, 'लिंगुसामी के साथ काम करना

मुझे काफी पसंद है क्योंकि वह एक ऐसा अद्भुत, प्यार करने वाले आदमी है, जो बहुत खास है लेकिन दुर्भाग्य से हाल ही में चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है, हम एक विरोधी के रूप में एन के साथ एक तेलुगु फिल्म कर रहे है। इससे पहले, माधवन ने निर्देशक लिंगुसामी के साथ वेट्टई में काम किया था, जो 2012 में रिलीज़ हुई थी। इस फिल्म में आर्य, समीरा रेड्डी और अमला पॉल भी मुख्य भूमिकाओं में थे। 18 फरवरी को, लिंगुसामी और अभिनेता राम पोथिनेनी ने घोषणा की कि वे एक तमिल-तेलुगु द्विभाषी पर सहयोग करेंगे। वाणिज्यिक मनोरंजन का निर्माण श्रीनिवास चित्तूरी द्वारा श्रीनिवास सिल्वर स्क्रीन के बैनर तले किया गया है।

चुनाव से पहले डंडा चलते ही पड़ोसी जिलों में छिप जाते हैं बदमाश

ग्वालियर, । विधानसभा चुनाव के लिए अब आचार संहिता जल्द ही लगने वाली है। आचार संहिता लगते ही पुलिस का डंडा शहर में सक्रिय गुंडे-बदमाशों पर चलने लगता है। ऐसे में जैसे ही सख्ती होती है तो मुरैना और भिंड के रास्ते यह बदमाश पड़ोसी राज्यों के जिलों में छिप जाते हैं। यहां से अपनी गैंग आपरेट करते हैं। ऐसे बदमाशों ने शहर से रवानगी भी डाल दी है। ऐसे बदमाशों पर नकेल कसने के लिए सूची और गुंडों की फोटो पुलिस पड़ोसी राज्यों के जिलों के अफसरों से साझा करेगी।ऐसे बदमाश मुरैना, श्योपुर के रास्ते राजस्थान के सीमावर्ती जिलों और भिंड के रास्ते उप्र के इटावा व आसपास के जिलों में छिप जाते हैं। राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। यहां पुलिस सख्त है, लेकिन उप्र में चुनाव नहीं है, इसलिए यहां यह लोग आसानी से छिप जाते हैं। ग्वालियर के बदमाशों का उप्र के बदमाशों से कनेक्शन भी जुड़ा रहता

है। इसके चलते पुलिस अफसर पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों की पुलिस से ऐसे बदमाशों के नाम, पते, फोटो की सूची साझा करेगी। इसमें कई बदमाश ऐसे हैं, जो अलग-अलग अपराध में फरार हैं। फरार बदमाशों की सूची भी साझा की जाएगी। चुनाव से पहले डंडा चलते ही पड़ोसी जिलों में छिप जाते हैं शहर के आउटर प्वाइंट पर एक-दो दिन में नाके शुरू हो जाएंगे। यहां बार्डर गश्त शुरू होगी। जिसमें पड़ोसी जिलों की पुलिस के साथ मिलकर ग्वालियर पुलिस के अफसर, जवान गश्त करेंगे। यह नाके चुनाव तक जारी रहेंगे।आचार संहिता लगते ही हूटर लगी गाड़ियों, ब्लैक फिल्म, पदनाम, राजनीतिक दलों का नाम लिखी प्लेट वाहनों से हटाने की कार्रवाई शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही निर्धारित रकम से अधिक रकम लेकर चलने वाले वाहन चालकों की धरपकड़ भी शुरू हो जाएगी।फरार बदमाशों की जानकारी इंटरनेट मीडिया के जरिये भी पुलिस साझा करेगी। इसके अलावा ऐसे बदमाशों के जिलाबदर और रासुका के प्रस्ताव तैयार कर लिए गए हैं। इन पर कार्रवाई के लिए कुछ प्रतिवेदन कलेक्ट्रेट भेज दिए गए हैं। विधानसभा वार भी बदमाशों को चिन्हित किया जाएगा, जो माहौल बिगाड़ सकते हैं।

कमरे में बंधक बनाकर युवती से चार दिन तक दुष्कर्म, विरोध करने पर कैंची से हत्या करने की कोशिश

भोपाल । अवधपुरी थाना इलाके में एक युवती को चार दिन तक बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बुधवार रात को दुष्कर्म का विरोध करने पर युवक हत्या करने के इरादे से कैंची लेकर आगे बढ़ा, तभी हिम्मत कर किसी तरह कमरे का दरवाजा खोलकर युवती घर के बाहर भाग निकली और शोर मचाया। शोर सुनकर कालोनी के लोग घरों से बाहर निकले और युवती को अभिरक्षा में ले लिया। इसी बीच मौका पाकर आरोपित युवक भाग निकला था। उसे पुलिस ने बाद में गिरफ्तार कर लिया।अवधपुरी थाना पुलिस के मुताबिक बुधवार रात क्षेत्र की एक कालोनी में बंधक बनाकर रखी गई युवती ने शिकायत दर्ज कराई। उसमें बताया कि वर्ष 2022 में उसका परिचय बरखेड़ा पठानी में रहने वाली एक महिला से हुआ था। महिला के माध्यम से दिसंबर 2022 में उसका परिचय अवधपुरी क्षेत्र में रहने वाले हितेश तिवारी से हुआ था। युवती ने बताया कि वर्तमान में वह बचपन की परिचित अपनी रिश्ते की दीदी के पास पुणे में रह रही थी। 21 सितंबर को हितेश ने उसे मैसज कर बताया कि वह भोपाल में गर्ल्स होस्टल खोल रहा है। उसकी देखरेख के लिए महिला की जरूरत है। नौकरी की तलाश होने के कारण वह भोपाल आने के लिए तैयार हो गई। रतलाम से अपनी कार से साथ लेकर आने का बोलकर हितेश ने ही पुणे

से इंदौर तक का उसका ट्रेन का टिकट कराया था। इसके बात हितेश ने उसे रतलाम स्टेशन पर उतरने को बोला। 29 सितंबर को हितेश उसे रतलाम रेलवे स्टेशन पर मिला। वहां से उसे अपनी कार से लेकर शाम साढ़े पांच बजे अवधपुरी क्षेत्र स्थित अपने घर ले आया।महिला ने बताया कि एक अक्टूबर की रात करीब 10-30 बजे हितेश शराब के नशे में उसके कमरे में आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसे कमरे में बंद कर दिया। वह रोज उसके साथ दुष्कर्म करता था। बुधवार रात 11 बजे युवती ने जब दुष्कर्म का विरोध किया तो वह कैंची लेकर उसे मारने दौड़ा। वह किसी तरह कमरे का दरवाजा खोलकर बाहर भागी। कालोनी के लोगों को वहां देखकर हितेश अपनी कार लेकर वहां से भाग निकला था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कार जब्त कर ली है।

चिड़ियाघर में सफेद टाइगर का शावक हुआ बीमार

ग्वालियर नगर निगम के फूलबाग स्थित गांधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में सफेद टाइगर का शावक बीमार हो गया है। शावक के इलाज के लिए चिड़ियाघर प्रबंधन ने जबलपुर से फारेंसिक के विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम बुलाई है, जो लगातार शावक के स्वास्थ्य पर नजर रख रही है और उसका इलाज कर रही है। शावक के बीमार होने की सूचना मिलने पर गुरुवार को महापौर डा. शोभा सिकरवार एवं मेयर इन काउंसिल के सदस्यों द्वारा चिड़ियाघर में बीमार शावक के स्वास्थ्य का हाल जाना और डाक्टर से चर्चा कर शावक की देखभाल एवं आवश्यक जांच इत्यादि

करने के निर्देश दिए।गांधी प्राणी उद्यान में मादा टाइगर मीरा ने गत 20 अप्रैल को तीन शावकों को जन्म दिया था। इनमें से एक शावक की गत 21 सितंबर को मृत्यु हो गई थी। इसके बाद से ही दूसरा शावक सुस्त रहने लगा था। उसका वजन भी लगातार कम हो रहा है और उसने खाना-पीना भी कम कर दिया है। गत बुधवार की शाम को जब उसे दिया गया खाना नहीं खाया, तो चिड़ियाघर प्रबंधन को लगा कि उसका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। ऐसे में आनन-फानन में जबलपुर से फारेंसिक विशेषज्ञों की टीम को बुलाया गया। ये टीम दोपहर में चिड़ियाघर पहुंची और शावक का इलाज शुरू किया। टीम ने शावक के ब्लड सैंपल भी जांच के लिए इकट्ठे किए हैं, ताकि किसी प्रकार की अंदरूनी बीमारी का पता लगाया जा सके।

हड़ताल पर कर्मचारी, सड़कों पर 600 टन कचरा

ग्वालियर। नगर निगम में ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग को लेकर आउटसोर्स पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। इन कर्मचारियों ने न तो खुद टिपर वाहन चलाए और न ही निगम के अन्य वाहन चालकों को चलाने दिए। डिपो के बाहर बेरीकेड्स लगाकर वाहनों का रास्ता रोका गया। इसका नतीजा यह रहा कि शहर में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई। शहर की सड़कों पर 600 टन से अधिक कचरा पड़ा रहा। इसके चलते जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे नजर आए। देर रात नगर निगम के स्थायी कर्मचारियों ने जेसीबी से कचरा उठवाया। नगर निगम में आउटसोर्स एजेंसी सेंगर सिक्योरिटी के माध्यम से काम कर रहे सफाई कर्मचारी लगातार दैनिक वेतन भोगी या कलेक्टर रेट पर निगम में मर्ज करने की मांग कर रहे हैं। विनियमित कर्मचारियों को नियमित करने का प्रस्ताव पास होने के बाद ये कर्मचारी भी परिषद भवन पर प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को इन कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू कर दी, तो सभापति मनोज सिंह तोमर ने परिषद की बैठक को स्थगित कर कर्मचारियों की मांगें सुनीं। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने एकजुट होकर ठेका प्रथा समाप्त कर इन कर्मचारियों को दैनिक वेतन भोगी के तौर पर निगम में लेने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। इसके बावजूद कर्मचारी संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने दूसरे दिन भी हड़ताल जारी रखी। इसके चलते शहर में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने वाले 230 से अधिक टिपर वाहन सड़कों पर नहीं निकल पाए। इन कर्मचारियों ने डिपो

से वाहनों को नहीं निकलने दिया। जिससे शहर में कचरा ही कचरा नजर आया।

छिप जाते हैं बदमाश गुरुवार को परिषद की बैठक में आउटसोर्स पर मैन पावर उपलब्ध कराने वाली राज सिक्योरिटी एजेंसी के ठेके में वृद्धि करने के प्रस्ताव पर विपक्षी पार्षदों ने सत्ता पक्ष और एमआइसी सदस्यों पर गड़बड़ी करने के आरोप लगाए। नेता प्रतिपक्ष हरिपाल ने कहा कि परिषद को एमआइसी के सदस्य गंगा समझते हैं। पाप करने के बाद जैसे गंगा नहाने पर तन-मन पवित्र हो जाता है, ठीक वैसे ही एमआइसी गड़बड़ियां करने के बाद में अंत में ऐसे प्रस्ताव परिषद में लाकर रख देती है। काफी बहस के बाद सभापति मनोज सिंह तोमर ने सर्वसम्मति से एजेंसी का ठेका 31 मार्च 2024 तक बढ़ाने के साथ ही नए टेंडर करने के निर्देश दिए। इसके बाद जब सभी बाहर निकल रहे थे, तो सफाई कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी करने लगे। महापौर डा. शोभा सिकरवार, सभापति मनोज तोमर, नेता प्रतिपक्ष हरिपाल और निगमायुक्त हर्ष सिंह ने इन कर्मचारियों से बातचीत की। उन्हें बताया कि शासन को प्रस्ताव भेज दिया गया है, लेकिन वे नहीं माने और हड़ताल जारी रखने की घोषणा कर उधर एमआइसी की गुरुवार को हुई बैठक में नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को चौथा समयमान-वेतनमान देने के साथ ही आउटसोर्स सफाई श्रमिकों की कार्य अवधि दो वर्ष यानी वर्ष 2025 तक बढ़ाने और उस पर आने वाले व्यय की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। हालांकि गत मंगलवार को परिषद की बैठक में सभापति मनोज सिंह तोमर ने आउटसोर्स एजेंसी के ठेके की अवधि 31 मार्च तक बढ़ाकर नए सिरे से टेंडर करने के निर्देश दिए थे, तो वहीं बुधवार को ठेका प्रथा समाप्त करने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। बैठक में सुप्रीम कोर्ट में निगम की ओर से पैरवी करने के लिए अभिभाषक कुशाग्र रघुवंशी का नाम अभिभाषक पैनल में शामिल करने की स्वीकृति दी गई। मुरार थाने के सामने निगम स्वामित्व की पुराने औषधालय की संपत्ति को लीज पर आवंटित भूमि का स्थल पर उपलब्ध क्षेत्रफल के अनुसार राशि जमा कराने के मामले को स्वीकृति किया गया। साथ ही वाहन किराया प्रकरण में अतिरिक्त 1.10 करोड़ रुपए के व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई।

सभी शासकीय भवनों और अधिनस्थ कार्यालय में संपत्ति विरूपण की करवाई की जाए : जिला निर्वाचन अधिकारी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने मध्यप्रदेश सम्पत्ति विरूपण अधिनियम-1994 की धारा-5 के तहत् सार्वजनिक दृष्टि से आने वाली किसी सम्पत्ति पर लिखावट मिटाने, किसी विरूपण से मुक्त कराने या किसी चिन्ह को हटाने के लिये समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित कर कहा है कि, अधिनियम के तहत् अपने-अपने शासकीय कार्यालय भवनों तथा अपने अधीनस्थ कार्यालय भवनों पर सम्पत्ति विरूपण की कार्यवाही की जावे।समस्त कार्यालय प्रमुख अपने शासकीय कार्यालय भवनों तथा अधीनस्थ कार्यालय भवनों पर सम्पत्ति विरूपण की कार्यवाही करें।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने 7 हजार से अधिक लाड़ली बहनों का किया सम्मान

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शुक्रवार को शहर के वार्ड-3, 4, 8, 13 एवं 14 में सात हजार से अधिक लाडली बहनों को शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान मेरे लिए गौरव के क्षण हैं। सरकार ने विकास व जनकल्याण का जो वादा किया था उसे संकल्प भाव से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा उपनगर ग्वालियर के अंतर्गत 60 हजार से अधिक परिवारों को राशन की पात्रता पर्ची के साथ आयुष्मान कार्ड, कामकाजी कार्ड एवं पेंशन की योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ दिलाया है।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने वार्ड-3 व 4 में 2500 से अधिक बहनों का सम्मान किया। इसी तरह वार्ड 8 में 1500 से अधिक बहनों

सहित वार्ड 13 एवं 14 में 3000 से अधिक बहनों का सम्मान उन्होंने किया। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहनों की चिंता करते हुए अब रसोई गैस सिलेंडर भी 450 रूपय में कर दिया है। जिसकी अंतरण की राशि आज लाडली बहनों के खाते में डाली गई है। इसके साथ ही इस बार 10 तारीख से पहले ही 04 अक्टूबर को लाडली बहनों के खातों में 1250 रूपये आये हैं। इस अवसर पर बृजमोहन शर्मा, योगेन्द्र तोमर, प्रयाग तोमर, आकाश श्रीवास्तव, योगेन्द्र तोमर, श्रीमती मंजू दिग्विजय राजपूत, दिनेश सिकरवार, अखिलेश शर्मा, धर्मवीर राठौर, शैलेन्द्र सिकरवार, रमेश कुशवाह, मनोज राजपूत, श्रीमती निशा तोमर, श्रीमती बबली तोमर सहित बडी संख्या में लाडली बहने उपस्थित रहीं।

शिवराज व सिंधिया आज करेंगे 200 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण

ग्वालियर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को महाराज बाड़े पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ 200 करोड़ से अथिक विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमि पूजन करेंगे। दो से तीन दिन में चुनाव आचार संहिता लागू करने की संभावना है। जिसके कारण ग्वालियर-चंबल अंचल में इस सरकार के जिले में यह अंतिम लोकार्पण व शिलानन्यास समारोह हो सकता है। इसके साथ ही शुक्रवार को भद्रपक्ष की महाष्टमी को गज पर सवार महालक्ष्मी पूजन किया जायेगा। और पितृ पक्ष का आठवां श्राद्ध है। नगर में ठंड में दस्तक देना शुरु कर दी है। नगर के बाहरी क्षेत्रों में रात में पंखे-कुलर बंद हो गये हैं। और गर्म कपड़े निकलने लगे। कांग्रेस ने शुक्रवार अघोषित बिजली कटौती को लेकर रोशनी घर घेरने का एलान किया है। पिकृ पक्ष में रंगमहल गार्डन व जीवायएमसी क्लब श्रीमद भागवत कथा चल रही है।भद्र पक्ष की अष्टमी (पितृ पक्ष) में हाथी पर सवार महालक्ष्मी का पूजन महिलाएं शुक्रवार को करेंगीं। इस दिन महालक्ष्मी का व्रत पूजन करने से माता लक्ष्मी ऐश्वर्य का आशीर्वाद प्रदान करतीं हैं। प्रजापति समाज के लोग महालक्ष्मी पूजन के लिये विशे, रूप से मिट्टी की हाथी पर सवार महालक्ष्मी की आकृति गढ़ते हैं। और घर-घर पूजन के लिये देने जाते हैं। यह व्रत राधा अष्टमी से प्रारंभ होकर भद्रपद की अष्टमी को इस व्रत का परायण विधिवत होता है। इस दिन सोना-चांदी खरीदना भी श्रृष्ट माना जाता है। महिलाएं महालक्ष्मी पूजन का संकल्प लेने के लिये सोलह दूरूवा से स्नान करती है। और 16 गांठों का भी विशेष महत्व होता है।

राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में लोसपा राष्ट्पति के नाम सोपा ज्ञापन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। देश के प्रख्यात समाजवादी चिंतक व विचारक लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक श्री

रघु ठाकुर के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी जिला इकाइयों के द्वारा राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में देश के महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपे गए। इसी कड़ी में भिण्ड जिले में भी भिण्ड कलेक्टर के मार्फत भिण्ड एसडीएम रवि मालवीय को एक ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि जांच एजेंसियों द्वारा सरकार के विरोधी नेताओं और पत्रकारों को प्रताड़ित किया जा रहा है। संजय सिंह राज्यसभा सांसद को कुछ माह पूर्व ईडी की ओर से पत्र लिखकर कहा गया था कि उनका नाम गलती से जुड़ गया है और इसलिए ईडी की ओर से खेद व्यक्त किया गया था। इतना ही नहीं माननीय सर्वोच्च न्यायालय को भी यह सूचना दी गई थी। यह जानकारी मीडिया में भी प्रकाशित हुई थी। अब उसी ईडी ने 4 अक्टूबर को राज्यसभा सांसद संजय सिंह को उनके दिल्ली निवास से उसी आरोप में गिरफ्तार किया है। यह अंतर विरोधी कदम स्पष्ट करता है कि उन्हें राजनैतिक दबाव में गिरफ्तार किया गया है। देश में आम भावना यह है कि क्योंकि संजय सिंह लगातार प्रधानमंत्री और केंद्रीय सत्ता के विरुद्ध बोल रहे थे इसलिए सरकार के इशारे पर यह कार्यवाही की गई है। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी राजनैतिक प्रतिशोध के लिए ऐसी झूठी कार्यवाहियों का तीव्र विरोध करती है और आपसे हस्तक्षेप की अपील करती है। तथा मांग करती है कि संजय सिंह को तत्काल रिहा करने का निर्देश दें। तथा सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान या सेवा निवृत्त न्यायाधीश से इस प्रकरण की जांच कराने का निर्देश दें, क्योंकि इस घटनाक्रम में प्रधानमंत्री जी ही जनमत की राय में संदिग्ध है। ज्ञापन के माध्यम से पार्टी यह भी स्पष्ट कर देना चाहती है कि पार्टी का विश्वास महात्मा गांधी और डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों में है तथा पार्टी संपूर्ण शराबबंदी की पक्षधर में है। ज्ञापन सौंपते समय लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम सुंदर सिंह यादव, प्रदेश महासचिव निसार कुरैशी, मेहगांव विधानसभा से पार्टी के प्रत्याशी राकेश सिंह कौरव, हलीम खान, प्रदेश प्रवक्ता असगर खान, नौशे खान, श्री गोपाल कुशवाह, पान सिंह कुशवाह, रामवीर माहौर, राजू खान, आंशिक कुरैशी आदि उपस्थित रहे।

कीरवा गाँव में निकाली स्वच्छता अभियान को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता नरेश कुमार सिरवी पाली राजस्थान

जवाली कीरवा गांव के सेठ चुन्नीलाल/ वोरीदास बाफना राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत् स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका अनिता भटनागर ने सभी विद्यार्थियों को स्वच्छता का महत्व बताया तथा विधार्थी जीवन मे स्वच्छता के महत्व के बारे में अवगत कराया। इस दौरान स्वच्छता जागरूकता रैली में संगीता प्रजापत, उषा भाटी, राजश्री भाटी, हनवंत सिंह राठौड़ व रमेश कुमार मीणा आदि शिक्षक उपस्थित रहें।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478